RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-11 अंक:159 ता. 19 दिसम्बर 2022, सोमवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

हम पूर्वोत्तर में विवादों के बॉर्डर नहीं विकास का कॉरिडोर बना रहे : मोदी

-पीएम मोदी ने शिलांग में पूर्वोत्तर परिषद के स्वर्ण जयंती समारोह में लिया हिस्सा

शिलांग । (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार सुबह मेघालय के शिलांग में पूर्वोत्तर परिषद के स्वर्ण जयंती समारोह में हिस्सा लिया। कार्यक्रम में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजीजू केंद्रीय मंत्री सर्वानंद सोनोवाल और जी किशन रेड्डी पूर्वोत्तर के सभी राज्यों के राज्यपाल और मुख्यमंत्रियों समेत अन्य गणमान्य लोगों ने भी हिस्सा लिया। पीएम मोदी कतर में फीफा वर्ल्ड कप फाइनल का जिक्र करते हुए कहा कि आज एक संयोग ऐसा बना है कि जब फुटबॉल विश्व कप का फाइनल खेला जाना है मैं फुटबॉल मैदान में ही आपसे संवाद कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि जब फुटबॉल का बुखार हम सभी को जकड़ रहा है तो मैं फुटबॉल की शब्दावली में ही आपसे बात क्यों न करूं? फुटबॉल के खेल में जब कोई खिलाड़ी खेल भावना के खिलाफ जाता है तो उसे रेड कार्ड दिखाया जाता है और मैदान से बाहर भेज दिया जाता है। इसी तरह पिछले 8 वर्षों में हमने पूर्वोत्तर के विकास में कई बाधाओं को रेड कार्ड दिखाया है। भ्रष्टाचार भाई भतीजावाद को खत्म करने का काम किया है। हमारे लिए विकास सिर्फ शिलान्यास तक सीमित नहीं रहता जैसे पहले सिर्फ फीते कटते थे और फोटो खींची थी। काम नहीं होता था हम शिलान्यास भी करते हैं और लोकार्पण भी करते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि पूर्वोत्तर में प्रदान की गई बेहतर हवाई सेवा कृषि उपज के निर्यात में मदद कर रही जिससे किसानों को फायदा हो रहा। प्रधानमंत्री ने कहा कि राजग सरकार भ्रष्टाचार भेदभाव हिंसा वोट बैंक की राजनीति को खत्म करने के लिए गंभीर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि पहले पूर्वोत्तर को बांटने की कोशिश की जा रही थी लेकिन अब हम इस तरह के प्रयासों को रोक रहे हैं।

नॉर्थ ईस्टर्न काउंसिल की गोल्डन जुबली समारोह में पीएम मोदी के सामने परिषद की 50 वर्षों की यात्रा पर एक लघु फिल्म की स्क्रीनिंग की गई। इस मौके पर पीएम मोदी ने बीते 50 वर्षों में पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास में एनईसी के योगदान को उल्लेखित करने वाला स्मारक ग्रंथ 'गोल्डन फुटप्रिंट्स' जारी किया। राज्य में 2450 करोड़ रुपए से अधिक की कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने यहां 4 सड़क परियोजनाओं की आधारशिला रखी जो मणिपुर और अरुणाचल प्रदेश से होकर गुजरेंगी।

मेघालय में टेलीकॉम कनेक्टिविटी को और बेहतर बनाने के लिए राज्य को 4जी टावर समर्पित किए जिनमें से 320 से अधिक का काम पूरा हो गया है और करीब 890 निर्माणाधीन है। पीएम मोदी ने उमसावली में भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) शिलांग परिसर का उद्घाटन किया।

दिल्ली समेत पंजाब हरियाणा यूपी बिहार झारखंड राजस्थान में बढ़ेगी सर्दी

शीत लहर को लेकर अलर्ट जारी

नई दिल्ली । (एजेंसी)

देश की राजधानी दिल्ली समेत उत्तर भारत में मौसम विभाग ने शीतलहर को लेकर अलर्ट जारी किया है। आईएमडी ने कहा है कि दिल्ली एनसीआर के अलावा पंजाब हरियाणा यूपी बिहार झारखंड राजस्थान में ठंड का प्रकोप बढ़ेगा और तापमान में गिरावट दर्ज होगी। पहाड़ी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों हिमाचल प्रदेश उत्तराखंड जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में मौसम साफ रहने की संभावना है। ऊपरी इलाकों में बर्फबारी के बाद यहां चलने वाली हवाएं अपने साथ ठंड का प्रकोप उत्तर भारत में ले जाएंगी। दिल्ली का न्यूनतम तापमान कल 6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो इस मौसम का सबसे सर्द दिन रहा। वहीं मुंबई में दिन का अधिकतम तापमान 37 डिग्री सेल्सियस रहा जिससे लोगों को सर्दी में गर्मी के मौसम का अहसास हुआ। मौसम वैज्ञानिकों ने धुंध एवं कोहरे के बाद आज मुख्य रूप से आसमान साफ रहने का अनुमान जताया। इसके साथ ही अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 25 डिग्री सेल्सियस और 6 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। अगर देश में बने मौसमी सिस्टम की बात करें तो पश्चिम मध्य और इससे सटे पूर्व मध्य अरब सागर पर बना हुआ डिप्रेशन पिछले 6 घंटों के दौरान 14 किमी प्रति घंटे की गति से पश्चिम की ओर बढ़ा और आज 5ः30 बजे अक्षांश 14.1 उत्तर और देशांतर 62.2 पूर्व के पास पश्चिम मध्य अरब सागर पर केंद्रित हो गया है। यह अमिनीदेवी (लक्षद्वीप) के लगभग 1109 पश्चिम उत्तर पश्चिम में था। दक्षिण पूर्व बंगाल की खाड़ी और इससे सटे पूर्वी भूमध्यरेखीय हिंद महासागर के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इसके पश्चिमी दिशा में आगे बढ़ने की संभावना है और अगले 48 घंटों के दौरान बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम में आगे बढ़ सकता है। अगले 24 घंटों के दौरान 19 दिसंबर की रात से तमिलनाडु के दक्षिणी हिस्सों में बारिश की गतिविधियां शुरू हो सकती हैं और धीरे-धीरे तेज हो सकती है।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा नेता बंसल ने किया ऐलान- बिलावल का सिर कलम करने वाले को देंगे दो करोड़ इनाम

बागपत। पाकिस्तान के मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति की गई अशोभनीय टिप्पणी को लेकर पूरे देश में बवाल मच गया है। जगह-जगह भाजपा के नेता बिलावल भुट्टों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बीच बागपत के भाजपा नेता मनु पाल बंसल ने ने बिलावल भुट्टो का सिर कलम कर लाने वाले को दो करोड़ रुपए इनाम देने का ऐलान कर दिया है। भाजपा नेता मनु पाल बंसल ने कहा कि पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो का सिर कलम कर जो लाएगा उसे दो करोड़ रुपए का इनाम दिया जाएगा। बागपत क्लेक्ट्रेट में भाजपा नेता पाकिस्तान विदेश मंत्री पर कार्यवाही की मांग को प्रदर्शन कर रहे थे। उसी दौरान भाजपा नेता व जिला पंचायत सदस्य मनुपाल बंसल ने यह बयान दिया है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अशोभनीय टिप्पणी करने वाले पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो पर कार्रवाई की मांग को लेकर भाजपा कार्यकर्ता शनिवार को कलेक्ट्रेट पहुंचे। इस दौरान भाजपा नेताओं ने कलेक्ट्रेट परिसर में धरने पर बैठे और बिलावल भुट्टो के खिलाफ नारेबाजी की। इसी दौरान भाजपा नेता व जिला पंचायत सदस्य मनुपाल बंसल ने कहा कि जो बिलावल भुट्टो का सिर कलम कर लाएगा उसको वे दो करोड़ रूपए का इनाम देंगे।

भारत ने विकासशील देशों में जैवविविधता को हुई क्षति रोकने के लिए समर्पित कोष बनाने की मांग

नई दिल्ली । भारत ने कनाडा के मॉन्ट्रियल में जैव विविधता पर संयुक्त राष्ट्र के शिखर सम्मेलन में कहा विकासशील देशों को जैवविविधता को हुए नुकसान को रोकने और उसकी भरपाई के लिए एक नया समर्पित कोष बनाने की तत्काल जरूरत है। भारत ने यह भी कहा कि जैवविविधता का संरक्षण 'साझा लेकिन विभेदित जिम्मेदारियों और संबंधित क्षमताओं' (सीबीडीआर) पर आधारित होना चाहिए क्योंकि जलवायु परिवर्तन प्रकृति पर असर डालता है। जैविक विविधता पर संधि (सीबीडी) में शामिल 196 देशों के 2020 के बाद वैश्विक जैवविविधता रूपरेखा (जीबीएफ) पर बातचीत को अंतिम रूप देने के लिए एकत्रित होने के बीच वित्त संबंधित लक्ष्यों में सीबीडीआर सिद्धांत को शामिल करने की मांग की जा रही है। जीबीएफ में जैवविविधता को हुए नुकसान को रोकने और उसकी भरपाई करने के लिए निर्धारित नए लक्ष्य शामिल हैं। भारत सहित 196 देशों के प्रतिनिधि सात दिसंबर से शुरू हुए संयुक्त राष्ट्र के जैवविविधता शिखर सम्मेलन (सीओपी15) में नई वैश्विक जैव विविधता रूपरेखा (जीबीएफ) पर वार्ता को अंतिम रूप देने की उम्मीद से एकत्रित हुए हैं। सम्मेलन में केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा विकासशील देशों को वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने के लिए एक नया और समर्पित तंत्र बनाने की आवश्यकता है। ऐसी निधि जल्द से जल्द बनाई जानी चाहिए ताकि सभी देश 2020 के बाद जीबीएफ का प्रभावी रूप से क्रियान्वयन कर सकें। भारत ने कहा कि जैवविविधता के संरक्षण के लिए लक्ष्यों को लागू करने का सबसे ज्यादा बोझ विकासशील देशों पर पड़ता है और इसलिए इस उद्देश्य के लिए उन्हें पर्याप्त निधि तथा प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण की आवश्यकता है।

सीमा पर पाकिस्तानी ड्रोन पर बीएसएफ जवानों ने की गोलीबारी

गुरदासपुर । (एजेंसी)

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पाकिस्तान के नापाक इरादों को एक बार फिर नेस्तनाबूद किया है। गुरदासपुर जिले के डेरा बाबा नानक में बीएसएफ की चंदू वडाला चौकी पर 250 मीटर की ऊंचाई पर भारतीय क्षेत्र में एक पाकिस्तानी ड्रोन देखा गया। जवानों द्वारा फायरिंग किए जाने के बाद ड्रोन वापस पाकिस्तान की तरफ चला गया। इसके बाद बीएसएफ और पुलिस की ओर से संबंधित क्षेत्र में सर्च अभियान चलाया गया। जानकारी के मुताबिक 17 दिसंबर की रात को बीओपी चंदू बडाला पर तैनात जवानों ने भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करें पाकिस्तानी ड्रोन पर 40 फायर और रोशनी छोड़ने वाले से इलू बम्ब दागे। डीआईजी प्रभाकर जोशी ने बताया कि संबंधित क्षेत्र में सर्च अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बीएसएफ के जवान देश विरोधी ताकतों के मंसूबों को नेस्तनाबूद करने के लिए अपनी ड्यूटी को मुस्तैदी के साथ निभा रहे हैं। बीएसएफ ने पाकिस्तान लौट रहे ड्रोन पर 6 गोलियां दागी। इसके बाद पुलिस और बीएसएफ के संयुक्त सर्च अभियान के दौरान सीमांत गांव बारेका के खेत से एक बैग बरामद किया गया। इसमें हेरोइन के तीन पैकेट मिले जिसका वजन 650 ग्राम था। बता दें कि यह घटना बीएसएफ के अबोहर सेक्टर के फाजिल्का स्थित गांव बारेका की है। 15 दिसंबर की सर्द रात में पाकिस्तान से ड्रोन सीमांत गांव बारेका के खेतों में हेरोइन के पैकेट फेंक लौट रहा था। गश्त पर बीएसएफ के जवानों ने ड्रोन की आवाज सुनते ही उस पर फायरिंग करना शुरू कर दिया।

लेकिन ड्रोन वापस लौटने में कामयाब रहा। रात को ही बीएसएफ ने इसकी जानकारी पुलिस को दी और रात में ही बीएसएफ और पुलिस ने संयुक्त सर्च अभियान चलाया।

राजमार्ग पर 140 किमी होगी गति

सीमा लेन डिसिप्लिन के लिए बनेगा नया कानून : गडकरी

विदेश की तरह केवल एक ही लेन पर चलेंगे बस ट्रक व अन्य कमर्शियल वाहन अलग अलग गतियों के लिए होंगी अलग-अलग लेन

नई दिल्ली । (एजेंसी)

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय अधिक कड़े सुरक्षा और उत्सर्जन मानदंडों पर जोर देने के साथ-साथ देश में परिवहन के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए तेजी से काम किया जा रहा है। भारतीय ऑटोमोटिव इंडस्ट्री और मोबिलिटी को विश्वस्तरीय बनाने के लिए जरूरी ढांचागत बदलावों के साथ-साथ वाहन इंडस्ट्री में भी बदलाव लाने की कोशिश की जा रही हैं। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने हाल ही एक कार्यक्रम में कहा सरकार हाईवे पर ड्राइविंग के दौरान ऑन डिसिप्लिन के लिए एक नए कानून पर काम कर रही है। इसे जल्द ही भारत में लागू किया जा सकता है। गडकरी ने कहा दुनिया भर में ट्रक और बसें केवल एक लेन पर चलती हैं लेकिन भारत में ऐसा नहीं है। यहां इसकी काफी अनदेखी की जाती है। मैंने अपनी टीम को ऐसी पॉलिसी पर काम करने के लिए कहा है जिससे यह अनिवार्य हो कि ये कमर्शियल वाहन केवल एक ही लेन में चलें।

गडकरी ने कहा कि जहां सड़क के बुनियादी ढांचे और वाहनों में सुधार हुआ है वहीं कुछ जगहों पर मौजूदा स्पीड लिमिट भी तुलनात्मक रूप से काफी कम है। वाहन उपयोगकर्ता मौजूदा स्पीड लिमिट के साथ महत्वाकांक्षी दिल्ली-जयपुर राजमार्ग के बीच 2 घंटे से कम समय में कैसे यात्रा कर पाएंगे? इस सवाल के जवाब

में उन्होंने कहा कि सरकार इसे बढ़ाने पर विचार किया जा रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा ऐसा हाईवे जहां बीच में कोई चौराहा नहीं है और वाहन एक ही दिशा में चल रहे हैं वहां हम वाहनों की अधिकतम स्पीड को 140 किमी प्रति घंटे तक बढ़ा सकते हैं। मैंने ऐसे राज्यों के संबंधित मंत्रियों के साथ एक्सप्रेस हाईवे के बारे में चर्चा की है। हां कुछ लेन ऐसी होंगी जहां स्पीड लिमिट 120 किमी प्रति घंटे होगी। शहरों में यह 60-80 किमी प्रति घंटे के बीच हो सकती है। हमने नई अच्छी सड़कें बनाई हैं और स्पीड लिमिट पुरानी है।

इससे पहले केंद्रीय मंत्री ने कहा था कि देश में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में उतार-चढ़ाव से निपटने के लिए फ्लेक्स फ्यूल और ई-वाहनों को बढ़ावा देने की जरूरत है। ऐसे वाहनों में ईंधन के रूप में पेट्रोल और एथनॉल या मेथनॉल के मिश्रण का इस्तेमाल किया जाता है।

देश में कोरोना के 176 नए मामले मिले

उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 3553 हुई

नई दिल्ली । (एजेंसी)

भारत में पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 176 नए मामले आने से देश में अब तक संक्रमित हो चुके लोगों की संख्या बढ़कर 44675952 पर पहुंच गई है जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 3552 रह गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के रविवार सुबह आठ बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार संक्रमण से पांच और मरीजों की मौत से देश में मृतकों की कुल संख्या बढ़कर 530672 हो गई है। मौत के नए मामलों में केरल द्वारा संक्रमण से मौत के आंकड़ों का पुनर्मिलान करते हुए सूची में जोड़े गए चार मामले शामिल हैं जबकि पिछले 24 घंटे में महाराष्ट्र में एक मरीज की जान गई है।मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक उपचाराधीन मरीजों की संख्या संक्रमण के कुल मामलों का 0.01 प्रतिशत है जबकि कोविड-19 से स्वस्थ होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 98.8 प्रतिशत हो गई है। बीते 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 56 की कमी दर्ज की गई है। आंकड़ों के अनुसार कोविड-19 से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 44141728 हो गई है जबकि मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत है। वहीं देशव्यापी कोविड-19 रोधी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक 220 करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं। गौरतलब है कि भारत में सात अगस्त 2020 को कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 20 लाख 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020

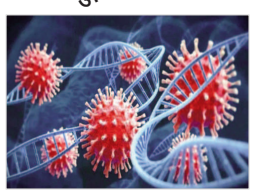

को 50 लाख 28 सितंबर 2020 को 60 लाख 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे। देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे। पिछले साल चार मई को संक्रमितों की संख्या दो करोड़ और 23 जून 2021 को तीन करोड़ के पार पहुंच गई थी। इस साल 25 जनवरी को संक्रमण के कुल मामले चार करोड़ के पार हो गए थे।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी का चीन के लिए प्यार सीमा से बहुत आगे निकल गया : प्रमोद सावंत

पणजी । (एजेंसी)

गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने चीन द्वारा युद्ध की तैयारी करने और भारत की सरकार के सोए रहने संबंधी टिप्पणी को लेकर राहुल गांधी की आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता का चीन के लिए प्यार सीमा से बहुत आगे निकल गया है। सीएम प्रमोद सावंत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां करने के लिए पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो की भी आलोचना की। सीएम प्रमोद सावंत ने शनिवार शाम को ट्वीट किया चीन के लिए राहुल गांधी का प्यार और भारत के एक राजनीतिक दल तथा हमारे प्रधानमंत्री के लिए उनकी नफरत सीमा से बहुत आगे निकल गई है। भारतीय सशस्त्र बल वीरता एवं साहस के साथ भारत की सीमा की

रक्षा कर रहे हैं। भारत के लोग दिल से सशस्त्र बलों को प्यार करते हैं उनका सम्मान और समर्थन करते हैं। गौरतलब है कि राहुल ने शुक्रवार को जयपुर में अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान दावा किया था कि चीन युद्ध की तैयारी कर रहा है जबकि सरकार सोई हुई है और इस खतरे को नजरअंदाज करने की कोशिश कर रही है। एक अन्य ट्वीट में सावंत ने कहा पाकिस्तान के विदेश मंत्री की अपमानजनक टिप्पणी अत्यधिक निंदनीय है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शानदार नेतृत्व में वैश्विक स्तर पर भारत के बढ़ते कद से आतंकवाद को शह देने वाले एक देश में वंशवाद से उपजे व्यक्ति की हताशा बढ़ रही है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के बारे में आपत्तिजनक टिप्पणी भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर द्वारा संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की बैठक में आतंकवाद को समर्थन देने को लेकर पाकिस्तान पर तीखा हमला करने के बाद की थी।

समुद्र में बढ़ी नौसेना की ताकत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने नौसेना के सुपुर्द किया आईएनएस मोरमुगाओ

नई दिल्ली । आधुनिक हथियारों से लैस स्वदेशी युद्धपोत आईएनएस मोरमुगाओ को देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारतीय नौसेना को सौंपा दिया है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने एक सामान्य समारोह में आधुनिक सेंसर और रडार से लैस युद्धपोत इंडियन नेवी को सौंप दिया। इस विध्वंसक युद्धपोत की मदद से भारतीय नौसेना की हिंद महासागर में बैठ मजबूत होगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आईएनएस मोरमुगाओ भारत में बने सबसे शक्तिशाली युद्धपोतों में से एक है यह भारतीय समुद्री क्षमताओं में उल्लेखनीय वृद्धि करेगा। आईएनएस मोरमुगाओ दुनिया के सबसे तकनीकी रूप से उन्नत मिसाइल वाहकों में से एक है। आईएनएस मोरमुगाओ की प्रणालियां न केवल वर्तमान बल्कि भविष्य की जरूरतों को भी पूरा करने में सक्षम होंगी। यह हमारी स्वदेशी रक्षा उत्पादन क्षमता का भी एक उदाहरण है। भविष्य में हम दुनिया के लिए जहाज निर्माण करेंगे। बता दें कि जिस तरह चीन हिंद महासागर में अपनी गतिविधियों को बढ़ा रहा है उस समय इस युद्धपोत का नौसेना में शामिल होना काफी अहम कदम है। इस खास मौके पर नौसेना के प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने कहा कि यह उपलब्धि पिछले दशक में युद्धपोत डिजाइन और निर्माण क्षमता में हमारे द्वारा उठाए गए बड़े कदमों का संकेत है। नौसेना में शहरों के नाम पर जहाजों के नाम रखने की परंपरा है जो दोनों के बीच एक स्थाई कड़ी बनाती है। उन्होंने आगे कहा कि स्वदेशी युद्धपोत निर्माण के इतिहास में आज का दिन एक और मील का पत्थर है क्योंकि हमने विध्वंसक मोरमुगाओ को चालू किया है। खासियत है कि एक साल पहले विशाखापत्तनम को पहले ही भारतीय नौसेना में शामिल किया गया था।आईएनएस मोरमुगाओ की लंबाई 163 मीटर चौड़ाई 17 मीटर और 7500 टन का विस्थापन है। इसकी रफ्तार 48 किलोमीटर प्रतिघंटा की है। इसके नौसेना में शामिल होने से नौसेना की ताकत में तीन गुणा का इजाफा हुआ है। बता दें कि मोरमुगाओ पर ब्रह्मोस बराक 8 जैसी आठ मिसाइलें लग सकती है। इसकी खासियत है कि ये हवा में मौजूद लक्ष्य को कई किलोमीटर दूर से भी पहचान सकता है। इस खासियत के कारण ये सटीक निशाना लगा सकता है। मोरमुगाओ मध्यम दूरी से हवा में वार करने वाली सैम मिसाइल सतह से सतह पर मार करने वाली एसटीएस मिसाइल पनडुब्बी-रोधी रॉकेट लॉन्चर टॉरपीडो ट्यूब और लॉन्चर सुपर रैपिड गन माउंट कॉम्बैट मैनेजमेंट सिस्टम इंटीग्रेटेड प्लेटफॉर्म मैनेजमेंट सिस्टम लगे हैं। ऑटोमेटेड पावर मैनेजमेंट सिस्टम फोल्डेबल हैंगर डोर्स हेलो ट्रैवर्सिंग सिस्टम क्लोज-इन वेपन सिस्टम और बो माउंटेड

सोनार से लैस है। बता दें कि इस युद्धपोत को भारतीय नौसेना के वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो द्वारा डिजायन किया गया है। इसका निर्माण मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने किया है।

अक्टूबर तक प्राण प्रतिष्ठा लायक हो जाएगा भगवान रामलला के मंदिर का निर्माण : चंपक राय

अयोध्या ।(एजेंसी)

श्री राम मंदिर निर्माण समिति ने विराजमान रामलला स्थल पर निर्मित हो रहे भव्य मंदिर को प्राण प्रतिष्ठा लायक बनाने की स्थिति में पहुंचाने का समय अक्टूबर 2023 निर्धारित किया है। इससे पहले दिसंबर 2023 तक पहली मंजिल तैयार करने की बात कही गई थी। यह जानकारी निर्माण समिति की प्रथम दिन की बैठक के बाद श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने दी। उन्होंने यह भी बताया कि फिलहाल अब तक गर्भ गृह में 14 फीट ऊंचाई तक का निर्माण हो चुका है। जहां तक परकोटे के फर्श की बात है तो फर्श पर कालीन वर्क इस तरह किया जाएगा जो श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बनने के साथ ही निर्माण क्षेत्र में एक उदाहरण बन जाए।

चंपत राय ने स्पष्ट किया कि राम मंदिर निर्माण में कुल 12 दरवाजे लगने हैं। दरवाजों में महाराष्ट्र के सागौन की लकड़ी का उपयोग करने का निर्णय लिया गया है। महासचिव ने बताया कि सुग्रीव किला से राम मंदिर के मार्ग को जोड़ने वाले स्थल पर यात्री सुविधा केंद्र बनाया जाएगा जिसमें एक साथ 25000 श्रद्धालु लाभान्वित हो सकेंगे। यहां नित्य क्रिया सहित सुरक्षा और विश्राम की सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी। बैठक निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र की अध्यक्षता में हुई और ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय सदस्य विमलेंद्र मोहन प्रताप मिश्र डॉ अनिल मिश्र और गोपाल के अतिरिक्त कार्यदाई संस्था एलएनटी और टीसीआई के उच्च तकनीकी अधिकारी उपस्थित रहे। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि रामलला के मंदिर का पहला मंजिल 19 फिट का है और फिर उसके ऊपर बीम रखे जाएंगे। प्रथम तल का एरिया 14 फीट ऊंचा आकार ले चुका है। ट्रस्ट के महासचिव ने कहा कि ट्रस्ट की मंशा है कि मंदिर निर्माण अक्टूबर 2023 तक पूरा हो जाए जिससे कि रामलला के नए गर्भ गृह में प्राण प्रतिष्ठा की तिथि का निर्णय लिया जा सके। गर्भ गृह में

रामलला के प्राण प्रतिष्ठा का कार्य मकर संक्रांति के बाद ही होगा जब सूर्य उत्तरायण होंगे। इसके अलावा मंदिर के फर्श में मकराना मार्बल लगाया जाएगा। फर्श में कालीननुमा इनले वर्क किया जाएगा। राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव ने कहा कि अप्रैल या मई से मकराना मार्बल फर्श पर लगाना प्रारंभ कर दिया जाएगा। रामलला के मंदिर में जो मकराना मार्बल लगाया जाएगा वह 35 मिमी मोटा होगा। फर्स में कालीन नुमा नक्काशी 15 इंच गहराई तक की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

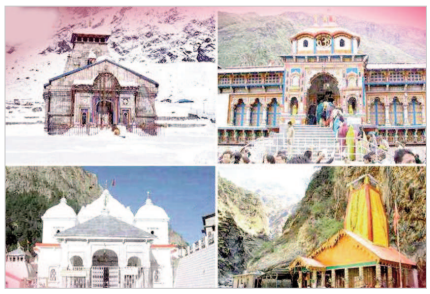

12 महीने करें चार धाम की यात्रा

देहरादून। उत्तराखंड में अब ठंड के दिनों में भी श्रद्धालु चार धाम की यात्रा कर सकेंगे। बर्फबारी के दौरान भी सभी रोड आवागमन के लिए खुली रहेंगी। शीतकाल के दौरान कपाट बंद हो जाते हैं।लेकिन सर्दियों में भी चार धाम के गद्दी के स्थलों मे भगवान की नियमित पूजा पाठ होती है। बद्रीनाथ केदारनाथ समिति के अध्यक्ष ने कहा कि ऑल वेदर रोड के कारण अब शीतकालीन यात्रा भी सुगमता के साथ यात्रियों की हो सकेगी। पहले हिमपात के कारण सड़कें ब्लॉक हो जाती थी। अब यह समस्या दूर हो गई है। श्रद्धालु आसानी से चारों धाम की यात्रा और पूजा पाठ कर सकेंगे। सर्दियों में सभी धाम 10 फीट से ज्यादा बर्फ से ढक जाते हैं। भीषण सर्दी के कारण इन मंदिर के भगवानों को अलग-अलग जगह डोली में लाया जाता है। बद्रीनाथ की पूजा अर्चना शीतकाल के 4 माह गद्दी स्थल योग बद्री पांडुकेश्वर और जोशीमठ नरसिंह मंदिर में होती है। केदारनाथ और मध्य महेश्वर जी की शीतकालीन पूजा ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ तथा गंगोत्री धाम की मुखवाल में पूजा-अर्चना होती है। यमुनोत्री धाम की पूजा अर्चना खरसाली शनि मंदिर में होती है। शीतकाल और बर्फबारी के दौरान भी चारों धाम की यात्रा निर्बाध रूप से जारी रहेगी। वही श्रद्धालु पर्यटन का भी आनंद ले पाएंगे।

हैदराबाद से दुबई जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट में आई तकनीकी खराबी मुंबई में हुई सुरक्षित लैंडिंग

मुंबई । बीती रात हैदराबाद से दुबई जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट में तकनीकी खराबी आने से इस फ्लाइट को मुंबई में सुरक्षित लैंड कराया गया. प्राप्त जानकारी के अनुसार विमान के हाइड्रोलिक सिस्टम में खराबी के कारण इसे मुंबई की ओर मोड़ दिया गया. एयर इंडिया ए 320 विमान में 143 यात्री सवार थे. विमान को सुरक्षित रूप से लैंड कराया गया. लैंड करने के बाद विमान से यात्रियों को सकुशल बाहर निकाला गया. आपको बता दें कि पिछले महीने भी एयर इंडिया की एक फ्लाइट में तकनीकी खराबी आने की वजह से मुंबई एयरपोर्ट पर उसकी इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई थी. एयर इंडिया के प्रवक्ता ने इसकी जानकारी दी थी. उन्होंने बताया था कि मुंबई एयरपोर्ट से एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या 581 कोझिकोड की ओर जा रही थी. जैसे ही फ्लाइट ने टेक ऑफ किया उसके कुछ वक्त बाद ही फ्लाइट के पायलट ने कंट्रोल रूस से संपर्क किया. पायलट ने कंट्रोल रूम से फिर से लैंडिंग की परमीशन मांगी. पूछे जाने पर पायलट ने बताया कि प्लेन में कुछ तकनीकी गड़बड़ है. जिसके बाद फ्लाइट को वापस उतारा गया था.

हर नौ में से एक भारतीय को कैंसर का खतरा पुरुषों में लंग्स और महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर का खतरा ज्यादा

नई दिल्ली । आईसीएमआर-नेशनल सेंटर फॉर डिसीज इंफॉर्मेटिक्स एंड रिसर्च (एनसीडीआईआर) के एक अध्ययन में सामने आया है कि भारत में हर नौ में से एक व्यक्ति को अपने जीवनकाल में कैंसर होने का खतरा है। यह देश में रिपोर्ट किए जा रहे बीमारी के नए मामलों की संख्या के सांख्यिकीय विश्लेषण के साथ-साथ आबादी में जोखिम वाले व्यक्तियों की संख्या पर आधारित है। इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईजेएमआर) में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार प्रत्येक 67 पुरुषों में से एक को फेफड़ों के कैंसर का खतरा होता है और 29 में से एक महिला को अपने जीवनकाल (0-74 वर्ष) में स्तन कैंसर का खतरा होता है। अनुमान लगाया गया है कि 2022 में भारत में 14.6 लाख लोग कैंसर से प्रभावित थे। फेफड़े और स्तन पुरुषों और महिलाओं में कैंसर के प्रमुख स्थान रहे। अध्ययन से पता चलता है कि बचपन (0-14 वर्ष) के कैंसर में लिम्फोइड ल्यूकेमिया (लड़के-29.2 फीसदी और लड़कियां-24.2 फीसदी) सबसे अधिक थी। वहीं 2020 की तुलना में 2025 में कैंसर के मामलों में 12.8 फीसदी की वृद्धि का अनुमान है। शोधकर्ताओं का कहना है कि कैंसर के मामलों में वृद्धि जनसंख्या गतिशीलता और इसकी वृद्धि में बदलाव के कारण है। उनका मानना है कि भारत में 60 प्लस आबादी में वृद्धि होने की उम्मीद है और विशेष रूप से उनका अनुपात 2011 में 8.6 फीसदी से बढ़कर 2022 में 9.7 फीसदी होने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि सर्वाइकल कैंसर को रोकने के लिए हमारे देश में एचपीवी (ह्यूमन पेपिलोमावायरस) वैक्सीन को विकसित किया गया है जो अगले साल अप्रैल-मई तक उपलब्ध हो जाएगी। शोधकर्ताओं ने कहा अनुमानित कैंसर की घटनाओं में बदलाव होगा जो जोखिम मामले के निष्कर्षों में सुधार स्क्रीनिंग कार्यक्रमों की शुरूआत और कैंसर का पता लगाने और निदान तकनीकों पर निर्भर करता है। स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने राज्यसभा को बताया कि देश में 2020 और 2022 के बीच अनुमानित कैंसर के मामले और इसके कारण मृत्यु दर में वृद्धि हुई है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत कैंसर मधुमेह हृदय रोग और स्ट्रोक (एनपीसीडीसीएस) की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम के तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

बर्फबारी नहीं होने से निराश हुए बड़ी संख्या में शिमला पहुंचे पर्यटक 80 फीसदी फुल हुए शहर के होटल

शिमला ।(एजेंसी)

हिमाचल प्रदेश के पर्यटन स्थल इन दिनों पर्यटकों से गुलजार होने लगे हैं। बर्फबारी देखने के लिए दूसरे राज्यों से बड़ी संख्या में पर्यटक पहुच रहे हैं। इन दिनों शिमला मनाली डलहौजी धर्मशाला सहित तमाम टूरिस्ट स्पॉट पर मौसम साफ बना हुआ है। दरअसल क्रिसमस पर बर्फबारी की उम्मीद रहती है। इस बार शिमला में अब तक बर्फ नहीं गिरी है। वीकएंड पर शिमला के मॉल रोड और रिज मैदान पर काफी तादाद में पर्यटक टहलते हुए नजर आए। शहर के होटल भी 80 फीसदी फुल हैं। वीकेंड पर इस बार होटलों में सौ फीसदी ऑक्यूपेंसी की उम्मीद है। पर्यटकों की आमद बढ़ने से पर्यटन कारोबारी भी काफी खुश हैं। शिमला के पर्यटन कारोबारी मनु सूद का कहना है कि कोरोना के 2 साल बाद इस बार पर्यटकों की काफी आमद बढ़ी है। इस बार खासकर क्रिसमस और नए साल तक पर्यटकों पर्यटन कारोबार अच्छा रहने की उम्मीद है। वीकेंड पर भी काफी तादाद में पर्यटक शिमला पहुंच रहे हैं। क्रिसमस पर यदि बर्फबारी होती है तो पर्यटकों का शिमला में आमद ज्यादा हो जाएगी। उन्होंने कहा कि क्रिसमस और नए साल को लेकर पर्यटक एडवांस में ही बुकिंग करवा रहे हैं। शिमला पहुंचे पर्यटक ऋषि कृष्णा और हरदीप रंधावा का कहना है कि वह बर्फबारी की आस लेकर शिमला आए थे लेकिन यहां पर मौसम साफ बना हुआ है और धूप खिली हुई है और दिन में गर्मी का एहसास हो रहा है जिसे निराशा जरूर है। उनका कहना है कि शिमला में क्रिसमस और नए साल पर बर्फबारी की उम्मीद है। हिमाचल पर्यटन निगम भी पर्यटकों को लुभाने में जुट गया है। क्रिसमस नए साल को देखते हुए होटलों में पैकेज जारी किए हैं और होटलों में खास कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। निगम के होटलों में क्रिसमस और नए साल को लेकर 50 फीसदी बुकिंग हो चुकी है। पर्यटन निगम के निदेशक अमित कश्यप ने कहा कि दो साल कोरोना के चलते पर्यटन कारोबार पर बुरा असर पड़ा था लेकिन अब कारोबार पटरी पर लौट आया है और इस साल नवंबर माह तक ही प्रदेश में एक करोड़ 40 लाख पर्यटक प्रदेश में आ चुके हैं और दिसम्बर माह में बर्फबारी और क्रिसमस नए साल पर भी पर्यटक आते हैं। इस बार पर्यटन निगम के होटलों में खास पैकेज जारी किए गए हैं।

26 फीसदी बढ़कर 13.63 लाख करोड़ रुपए हुआ सकल प्रत्यक्षकर संग्रह

नई दिल्ली ।

सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष में में अब तक 26 प्रतिशत बढ़कर 13.63 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। इस वृद्धि में स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) और कॉरपोरेट अग्रिम कर संग्रह के बेहतर प्रदर्शन का विशेष योगदान रहा है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। इसके मुताबिक रिफंड के समायोजन के बाद चालू वित्त वर्ष में अब तक शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 11.35 लाख करोड़ रुपये रहा है। इसमें व्यक्तिगत और कॉरपोरेट दोनों तरह के कर शामिल हैं। यह बजट में पूरे साल के लिए निर्धारित लक्ष्य का करीब 80 प्रतिशत है। चालू वित्त वर्ष के लिए प्रत्यक्ष कर संग्रह का बजट अनुमान 14120 लाख करोड़ रुपए था। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने एक बयान में कहा कि 17 दिसंबर 2022 तक 2.28 लाख करोड़ रुपए के रिफंड जारी किए जा चुके हैं जो एक साल पहले की तुलना में 68 फीसदी अधिक है। बयान के मुताबिक 1363649 करोड़ रुपए के सकल संग्रह में कॉरपोरेट कर 7.25 लाख करोड़ रुपए और व्यक्तिगत आयकर (पीआईटी) 6.35 लाख करोड़ रुपए शामिल हैं। कुल संग्रह में अग्रिम कर संग्रह 5.21 लाख करोड़ रुपये टीडीएस 6.44 लाख करोड़ रुपये और 1.40 लाख करोड़ रुपये का स्व-आकलन कर शामिल है।

देश के 4.5 करोड़ लोग ले चुके आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना का लाभ

स्कीम के जरिए पांच लाख रुपए तक का इलाज मुफ्त में उपलब्ध कराती है सरकार

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

सरकार देश के गरीब तबके को मुफ्त में इलाज उपलब्ध कराने के लिए आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जनआरोग्य योजना चला रही है। इस स्कीम से देश के करोड़ों लोग जुड़ चुके हैं। स्कीम के जरिए सरकार लोगों को पांच लाख रुपए तक का इलाज मुफ्त में उपलब्ध कराती है। अब तक देश के 4.5 करोड़ लोगों को इस स्कीम के तहत लाभ मिल चुका है। सरकार ने इस स्कीम की शुरुआत साल 2018 में की थी। पिछले दिनों केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ मनसुख मंडाविया ने संसद में इस स्कीम से जुड़ने वाले लोगों की संख्या की जानकारी दी। मनसुख मंडाविया ने संसद में कहा कि आयुष्मान भारत योजना दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य सुरक्षा योजना बन चुकी है। उन्होंने कहा कि इस स्कीम के जरिए देश में 4.5 करोड़ लोगों को एक रुपया खर्च किए बिना इस स्कीम से लाभ मिल चुका है। सितंबर के महीने में इस स्कीम के लाभार्थियों के संख्या 3.8 करोड़ थी। पिछले तीन महीने में इस स्कीम से लगभग एक करोड़ लोग जुड़े हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आने वाले दिनों में हम सभी मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में इंटीग्रेटिव मेडिसिन के लिए अलग डिविजन बनाने की तरफ काम कर रहे हैं। इस स्कीम के लिए कोई भी व्यक्ति ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से आवेदन कर सकता है। आयुष्मान भारत सरकार की एक हेल्थ स्कीम है जिसके तहत सरकार आयुष्मान भारत गोल्डन कार्ड लोगों को प्रदान करती है। इस स्कीम के तहत आयुष्मान भारत गोल्डन कार्ड के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर नागरिक अस्पतालों में जाकर मुफ्त में अपना इलाज करवा सकते हैं। आयुष्मान भारत स्कीम के लिए आवेदन करने वाले की उम्र 18 साल या उससे अधिक होनी चाहिए। अगर कोई खुद से इस स्कीम में के लिए आवेदन कर रहा है. अगर कोई खुद से इस स्कीम में के लिए आवेदन कर रहा है तो उसका नाम एसईसीसी (सामाजिक आर्थिक और जाति जनगणना) 2011 में होना चाहिए। सामाजिक आर्थिक और जाति जनगणना है।

जहरीली शराब कांड में मरने वालों की संख्या 100 से अधिक चिराग ने राज्यपाल को सौंपे ज्ञापन में किया दावा

पटना ।(एजेंसी)

बिहार में नीतीश कुमार सरकार के सारण जहरीली शराब त्रासदी में मरने वालों के परिजनों को मुआवजा देने से इनकार करने पर शनिवार को विरोधियों और सहयोगियों की ओर से आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। सारण जिला प्रशासन ने जहरीली शराब के संदिग्ध सेवन के बाद मंगलवार रात से अब तक 30 मौतों की पुष्टि की है जो छह साल पहले शराबबंदी के बाद से राज्य में सबसे बड़ी त्रासदी है। हालांकि विपक्षी दल भाजपा ने बिहार विधानसभा के भीतर और राज्यपाल फागू चौहान को सौंपे गए एक ज्ञापन में लोजपा नेता चिराग पासवान ने दावा किया है कि मरने वालों की संख्या सौ से अधिक है।

चिराग ने बताया कि मैं शोक संतप्त परिवार के सदस्यों से मिलने के लिए आज सारण गया और यह जानकर दंग रह गया कि प्रशासन उन पर दबाव डाल रहा था कि वे जहरीली शराब से होने वाली मौतों की रिपोर्ट न करें ताकि त्रासदी की भयावहता को कम किया जा सके। मुझे बताया गया है कि मरने वालों की संख्या 200 से भी अधिक हो सकती है। जमुई के सांसद चिराग ने शोक संतप्त परिवार के सदस्यों को अनुग्रह राशि न दिए जाने को लेकर मुख्यमंत्री की जिद पर सवाल उठाते हुए कहा वह दोहरा मापदंड क्यों अपना रहे हैं। शराबबंदी कानून लागू होने के कुछ ही समय बाद 2016 में निकटवर्ती जिले गोपालगंज में जहरीली शराब कांड हुआ था। उन्होंने तब पीड़ितों को मुआवजा दिया था। उल्लेखनीय है कि सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री पद पर आसीन रहे नीतीश ने मुआवजे के मुद्दे पर अपना रूख स्पष्ट करते हुए शुक्रवार को कहा था कि प्रदेश में शराबबंदी गांधीवादी सिद्धांतों पर आधारित है सेवन करने वालों ने जिसका उल्लंघन किया है और इसलिए वे इस 'गंदे काम' के लिए किसी मुआवजे के हकदार नहीं हैं। भाजपा के वरिष्ठ नेता और प्रदेश की पिछली राजग सरकार में उपमुख्यमंत्री रहे सुशील कुमार मोदी ने भी अलग से सारण का दौरा किया और पीड़ितों को मुआवजा देने पर समान विचार व्यक्त किए।

चीन से हो रहा आयात घटाने के लिए ई-कॉमर्स नीति में बदलाव करना जरूरी : गोयल

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

अरुणाचल प्रदेश में चीनी सैनिकों की भारतीय फौज के साथ झड़प के बाद देश में चीन को लेकर गुस्सा बढ़ गया है और इसका असर अब चीन से आने वाले प्रोडक्ट्स पर भी देखने को मिल रहा है। सीमा विवाद को लेकर हुई ताजा झड़प से भारतीय नागरिकों में भारी नाराजगी है और वे चीनी सामानों का बहिष्कार करने लगे हैं। इसका सीधा असर व्यापार पर पड़ रहा है इसलिए व्यापारिक संगठन चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को पत्र लिखकर माल के आयात और ई-कॉमर्स नीति में बदलाव का आग्रह किया है। व्यापारियों के संगठन ने हर प्रोडक्ट पर 'मूल देश' का नाम अनिवार्य रूप से उल्लेख करने की मांग की है।

व्यापारियों ने यह मांग ऐसे समय में की है जब भारत-चीन के संबंध तवांग में सैन्य गतिरोध के चलते तनाव के दौर से गुजर रहे हैं। राष्ट्रीय राजधानी में कनॉट प्लेस इलाके में चीनी सामानों के बहिष्कार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया गया। सीटीआई के अध्यक्ष बृजेश गोयल ने कहा हमने केंद्र सरकार से आग्रह किया है कि आयातित सामानों पर मूल देश का नाम लिखना अनिवार्य किया जाना चाहिए क्योंकि अभी कई चीजों पर इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है। विशेष रूप से ई-कॉमर्स साइटों पर उपभोक्ताओं को यह पता नहीं चल पाता है कि वे जो सामान खरीदते हैं वे कहां निर्मित होते हैं। उन्होंने कहा कि जब लोग चीनी उत्पादों को खरीदना नहीं चाहते हैं तब भी वे उन्हें खरीदते हैं क्योंकि उन पर 'मूल देश' का उल्लेख नहीं होता है। ट्रेडर्स बॉडी के अधिकारी ने कहा कि अगर उत्पादों पर 'मूल देश का नाम' लिखा है तो भारतीय चीनी सामान का बहिष्कार कर सकते हैं।

सीटीआई ने केंद्र सरकार से इस तरह की नीति पर काम करने और अपनी ई-कॉमर्स और इम्पोर्ट पॉलिसी में बदलाव करने का अनुरोध किया है। बृजेश गोयल ने कहा कि चीन भारतीय बाजारों से पैसा कमाता है और हमारे देश के खिलाफ ही इसका दुरुपयोग कर रहा है।

उन्होंने कहा हमें चीन की आर्थिक कमर तोड़नी है।

जम्मू कश्मीर के डोडा में फरार लश्कर कमांडर अब्दुल राशिद उर्फ 'जहांगीर' की संपत्ति कुर्क

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के प्राधिकारियों ने नियंत्रण रेखा के पार से लश्कर-ए-तैयबा के फरार कमांडर अब्दुल राशिद उर्फ 'जहांगीर' की संपत्ति कुर्क कर ली है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। डोडा के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अब्दुल कयूम ने बताया कि डोडा जिले में थाथरी के खानपुरा गांव में चार कनाल से अधिक भूमि को न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश पर दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की प्रासंगिक धाराओं के तहत राजस्व और पुलिस अधिकारियों की एक संयुक्त टीम ने कुर्क कर लिया।उन्होंने बताया कि पुलिस उन अन्य स्थानीय आतंकवादियों के खिलाफ भी कार्रवाई कर रही है जो पाकिस्तान चले गए हैं और डिजिटल माध्यम या सोशल मीडिया के जरिए युवाओं को आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के लिए बरगलाने और जिले में आतंकवाद को फिर से बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। एसएसपी ने कहा कि राशिद 1993 में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) भाग गया था और विध्वंसक गतिविधियों को अंजाम देने के इरादे से हथियारों का प्रशिक्षण प्राप्त कर लौटा था। अधिकारी ने कहा पाकिस्तान से घुसपैठ करने के बाद वह अन्य कट्टर आतंकवादियों के साथ सक्रिय रहा और जिले में आगजनी एवं विस्फोट की घटनाओं के अलावा आम नागरिकों और सुरक्षा बलों पर किए गए कई हमलों में शामिल पाया गया। अधिकारी ने कहा इसके अलावा उसने कई स्थानीय युवाओं को आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के लिए उकसाया। उन्होंने कहा कि थाथरी के एक अन्य आतंकवादी मोहम्मद अमीन उर्फ 'खुबैब' को राशिद ने आतंकवादी गतिविधियों में शामिल किया था। एसएसपी ने कहा अमीन भी वर्तमान में पाकिस्तान से काम कर रहा है और डोडा किश्तवाड़ और रामबन जिलों में आतंकवाद को फिर से बढ़ाने के प्रयास कर रहा है। उसने हाल के दिनों में आईईडी विस्फोट ड्रोन गिराने और हथियारों की तस्करी सहित कई आतंकवादी घटनाओं की साजिश रची। राशिद और अमीन दोनों एक दशक पहले पाकिस्तान भाग गए थे और स्थानीय अदालत ने उन्हें अपराधी घोषित किया है। अधिकारी ने बताया कि डोडा और जम्मू क्षेत्र के अन्य जिलों के विभिन्न पुलिस थानों में उनके खिलाफ कई प्राथमिकी दर्ज हैं।

'असुरक्षा की भावना' का परिणाम है भारत के प्रति चीन का आक्रामक रुख : पेनपा सेरिंग

जम्मू ।(एजेंसी)

तिब्बत की निर्वासित सरकार के राष्ट्रपति पेनपा सेरिंग ने कहा कि भारत के खिलाफ चीन का आक्रामक रुख उसकी 'असुरक्षा की भावना' का परिणाम है और इसका मकसद एशिया में अपना दबदबा कायम करना है। तिब्बती नेता जम्मू विश्वविद्यालय में बौद्ध अध्ययन विभाग के सहयोग से आयोजित भारत तिब्बत संघ की दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्य समिति बैठक-सह-संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। सेरिंग ने संगोष्ठी से इतर संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि भारत के खिलाफ चीन के आक्रामक रुख से उसकी असुरक्षा की भावना जाहिर होती है। चीन का उद्देश्य भारत को रोकना है ताकि एशियाई क्षेत्र में उसके प्रभुत्व को चुनौती देने वाला कोई न हो। वह 2020 में लद्दाख की गलवान घाटी और नौ दिसंबर को अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत और चीनी सैनिकों के बीच हुई झड़पों को लेकर सवालों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि वे भारत के खिलाफ अकारण आक्रामक रुख रखे हुए हैं जबकि तथ्य है कि इन जगहों पर लोग नहीं रहते हैं। वे भारत सरकार को परेशान करने के लिए इस तरह की कार्रवाई कर रहे हैं। चीन के आक्रामक रुख को 'सोची समझी रणनीति' का परिणाम बताते हुए तिब्बती नेता ने कहा कि इस तरह के कदमों से किसी को फायदा नहीं होने वाला और चीनी सरकार को भारत सरकार तथा भारत के लोगों का विश्वास हासिल करने में कई साल लगेंगे। सेरिंग ने कहा कि तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा ने हमेशा भारत और चीन के बीच अच्छे पड़ोसी संबंधों का समर्थन किया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि चीन अपने आक्रामक कृत्यों से 1962 के चीन-भारत युद्ध के घावों को कुरेद रहा है। उन्होंने कहा अगर चीन यह सोचता है कि भारत 1962 की तरह कमजोर है तो वह गलत है। भारत ने दशकों में काफी विकास किया है और उसे धमकाया नहीं जा सकता है। चीन की घुसपैठ से निपटने के लिए कांग्रेस द्वारा भारत सरकार की आलोचना के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा नेताओं के अलग-अलग विचार हो सकते हैं और विपक्ष का काम विरोध करना है। लोकतंत्र में रचनात्मक आलोचना का हमेशा स्वागत है। सेरिंग ने कहा लेकिन मेरा मानना है कि भारतीय नेतृत्व ने बहुत मजबूत रुख अपनाया है कि जब तक उन सभी क्षेत्रों से सैनिकों की वापसी नहीं होती है जहां चीनियों ने घुसपैठ की है तब तक संबंध सामान्य नहीं होगा।

उल्लेखनीय है कि भारतीय सेना ने 12 दिसंबर को बताया था कि भारतीय और चीनी सैनिकों की तवांग सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के निकट एक स्थान पर नौ दिसंबर को झड़प हुई जिसमें 'दोनों पक्षों के कुछ जवान मामूली रूप से घायल हो गए। पूर्वी लद्दाख में दोनों पक्षों के बीच 30 महीने से अधिक समय से जारी सीमा गतिरोध के बीच गत शुक्रवार को इस संवेदनशील सेक्टर (तवांग) में एलएसी पर यांग्त्से के पास झड़प हुई।

खैबर पख्तूनख्वा में हुआ आतंकी हमला, पुलिस स्टेशन को आतंकियों ने बनाया निशाना

लाहौर । पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में आतंकावादियों ने पुलिस स्टेशन को निशाना बनाया और यहां आतंकी हमले को अंजाम दिया है। इस आतंकी हमले में अब तक चार जवानों की मौत हो गई है। इस पुलिस स्टेशन का उद्घाटन कुछ समय पहले ही किया गया था। आतंकवादियों ने इस नए निर्मित पुलिस स्टेशन को निशाना बनाकर आतंकी हमले को अंजाम दिया है। इस आतंकी हमले के पीछे तहरीके तालिबान पाकिस्तान का हाथ बताया जा रहा है। मगर अब तक आतंकी संगठन ने खुलकर इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि जिन आतंकियों ने पुलिस स्टेशन पर हमला किया है उनके पास खतरनाक हथियार थे।

आतंकी घटना स्थल पर ग्रेनेड और रॉकेट लॉन्चर जैसे हथियारों को लेकर आए थे। जानकारी के मुताबिक पुलिस कर्मियों और आतंकियों के बीच काफी देर तक गोलीबारी का दौर भी जारी रहा। आतंकवादियों द्वारा किए गए हमले में चार पुलिसकर्मियों की जान चली गई है। इस हमले में कई पुलिसकर्मी घायल हुए है। वहीं हमला करने के बाद आतंकी भागने में सफल हो गए। अब पुलिस ने उनकी तलाशी शुरू कर दी है। इस हमले के बाद खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री मेहमूत खान ने हमले की निंदा की है। उन्होंने पुलिस से इस हमले को लेकर विस्तृत रिपोर्ट भी मांगी है।

इस संगठन द्वारा हमले की आशंका

वैसे इस आतंकी हमले की जिम्मेदारी खुलकर किसी आतंकी संगठन ने नहीं ली है।माना जा रहा है कि टीटीपी ने ये हमला किया है। टीटीपी का गठन वर्ष 2007 में हुआ था। इस संगठन को कई संगठनों ने मिलकर बनाया था। पाकिस्तान में इस संगठन ने वर्ष 2007 के बाद से कई आतंकी हमलों को अंजाम दिया है। जानकारी के मुताबिक पिछले महीने भी पुलिस वाहन पर टीटीपी के आतंकियों ने हमला किया था। इस आतंकी हमले में छह लोगों की मौत हुई थी। इसके अलावा ये आतंकी संगठन लंबे समय से पाकिस्तान में हमले कर माहौल को खराब करता रहा है। इस संगठन ने आर्मी हेडक्वार्टर तक पर हमला करने से पहले नहीं सोचा। वर्ष 2009 में इसने आर्मी हेडक्वार्टर पर भी निशाना साधा था।

भारतीय मूल के लियो वराडकर दूसरी बार बने आयरलैंड के प्रधानमंत्री

आयरलैंड में भारतीय मूल के लियो वराडकर शनिवार को दूसरी बार देश के प्रधानमंत्री बन गए हैं। आयरलैंड की संसद के निचले सदन 'डेल' के विशेष सत्र के दौरान सांसदों ने माइकल मार्टिन की जगह लेने के लिए मतदान के जरिए वराडकर के नाम को मंजूरी दी। आयरलैंड के राष्ट्राध्यक्ष राष्ट्रपति माइकल डी. हिगिंस की ओर से मंजूरी मिलने के बाद वराडकर की नियुक्ति की पुष्टि की गई। आयरलैंड में साल 2020 में आम चुनाव हुए थे, जिसके बाद मार्टिन अपनी पार्टी 'फिएना फेल' और वराडकर की पार्टी 'फिने गाइल' के बीच हुए ऐतिहासिक समझौते के पश्चात मार्टिन देश के प्रधानमंत्री बने थे। इस समझौते के तहत तय हुआ था कि पांच साल के कार्यकाल के शुरुआती ढाई साल में मार्टिन देश के प्रधानमंत्री और वराडकर उप प्रधानमंत्री रहेंगे। इसके बाद दोनों एक दूसरे की जगह लेंगे। मार्टिन (61) ने शनिवार सुबह प्रधानमंत्री पद से अपना इस्तीफा राष्ट्रपति को सौंप दिया। वराडकर (43) इससे पहले वर्ष 2017 से 2020 के बीच आयरलैंड के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। वह देश के सबसे युवा और 'गे' प्रधानमंत्री बने थे। वराडकर की मां का संबंध आयरलैंड, जबकि पिता का ताल्लुक भारत से है। वह आयरलैंड के पहले अश्वेत प्रधानमंत्री भी रहे हैं।

उग्रवादी समूह से रिश्ते की वजह से इजराइल ने फलस्तीनी को निर्वासित किया

येरुशलम । इजराइल ने कहा है कि उसने एक फिलस्तीनी वकील और सामाजिक कार्यकर्ता को रविवार तड़के फ्रांस निर्वासित कर दिया है। इजराइल ने दावा किया है कि उसका प्रतिबंधित उग्रवादी समूह से रिश्ता है। हालांकि फ्रांस की सरकार ने इज़राइली सरकार के कदम पर ऐतराज़ जताया है। सामाजिक कार्यकर्ता सलाह हम्मोरी का निष्कासन पूर्वी येरुशलम में फलस्तनियों की खराब हालत को दर्शाता है। पूर्वी येरुशलम के इस क्षेत्र पर इज़राइल ने कब्जा कर लिया है और अपने मुल्क से जोड़ लिया है। इसमें रहने वाले फलस्तनियों के पास सिर्फ निवास का अधिकार है। उन्हें नागरिकता हासिल नहीं है। हम्मोरी के निष्कासन से फ्रांस के साथ कूटनीतिक विवाद को खड़ा हो सकता है। फ्रांस ने इज़राइल से कई बार गुजारिश की थी कि वह हम्मोरी को निर्वासित नहीं करे। इज़राइल के गृहमंत्री आयलेट शेक्ड ने एक वीडियो में कहा मुझे यह ऐलान करते हुए खुशी हो रही है कि आज इंसाफ कर दिया गया और आतंकवादी सलाह हम्मोरी को इज़राइल से निर्वासित कर दिया गया है। हम्मोरी का जन्म येरुशलम में हुआ था लेकिन उनके पास फ्रांस की नागरिकता है। इज़राइल का कहना है कि हम्मोरी 'पॉपुलर फ्रंट फॉर लिबरेशन ऑफ फलस्तीन' (पीएफएलपी) के कार्यकर्ता हैं। इज़राइल ने इस समूह को प्रतिबंधित किया हुआ है और वह उसे आतंकवादी संगठन बताता है। हम्मोरी 'अदमीर' के लिए बतौर वकील काम कर चुके हैं। अदमीर एक ऐसा अधिकारवादी संगठन है जो उन फलस्तीनी कैदियों की मदद करता है जिन्हें इज़राइल ने पीएफएलपी के साथ कथित रिश्तों के लिए प्रतिबंधित कर दिया है। हम्मोरी को एक प्रतिष्ठित यहूदी धर्मगुरु की हत्या की कथित साज़िश रचने के मामले में दोषी ठहराया गया था। वह सात साल तक जेल में बंद रहे थे लेकिन 2011 में हमास के साथ कैदियों की अदला बदली के तहत उन्हें रिहा कर दिया गया था।

रंग गायब कपड़ा भी पूरी तरह से सड़ा हुआ फिर भी 94 लाख में बिकी 1857 में डूबे जहाज में मिली जींस

वॉशिंगटन । एक अच्छी क्वालिटी की नई पैंट हजारों में बिकती है। लेकिन अगर बेहद पुरानी पैंट लाखों में बिके तो हम सभी को आश्चर्य होगा? लेकिन ऐसा सच में हुआ है। 1857 में डूबे एक जहाज के मलबे से इस पैंट को रिकवर किया गया था जो एक नीलामी में 1 लाख 14 हजार डॉलर (9431619 रुपए) में बिका है। माना जाता है कि ये जींस पैंट मजदूरों के लिए डिजाइन किया गया था जो कठिन श्रम करते थे। नीलामी घर होलाबर्ड वेस्टर्न अमेरिकाना कलेक्शंस के विशेषज्ञों का मानना है इस पैंट का पुराना मालिक एक खनिक हो सकता है। पांच बटन वाला यह पैंट 100 साल से ज्यादा समय तक समुद्र की गहराई में सड़ रहा था जिससे इसका रंग अब काला-भूरा है। पैंट का असली रंग कैसा था यह अभी भी रहस्य है। जहाज में एक बक्से में यह पैंट मिला था। बक्से की पहचान से पता चला है कि संभवत: यह अमेरिका के ओरगन के रहने वाले जॉन डिमेंट नाम के एक व्यापारी का रहा होगा जो इस दुर्घटना में बच गया था। हालांकि अन्य सैकड़ों लोगों की किस्मत इतनी ही अच्छी नहीं थी और वे सभी इस हादसे में मारे गए। जॉन डिमेंट मैक्सिको और अमेरिका के युद्ध में भी लड़ चुके थे। जिस जहाज पर पैंट मिला उसका नाम एसएस सेंट्रल अमेरिका था जो 280 फीट लंबा था। पनामा से न्यूयॉर्क के बीच एक तूफान में यह डूब गया था। जहाज के अंदर डूब कर ही सैकड़ों लोगों की मौत हो गई थी। जहाज के अवशेष 1988 में उत्तरी कैरोलिना के तट पर पाए गए थे। इस जहाज को सोने का जहाज भी कहा जाता था। इस जहाज पर कई किलो सोने की इंटे सिक्के भी लदे हुए थे। जब जहाज को खोजा गया तो इसमें से 36 किलो सोना पाया गया। जब से यह पैंट मिला तभी से इसकी उत्पत्ति बहस का विषय बनी रही है। लिस्टिंग पेज के मुताबिक नीलामी घर के अधिकारियों का मानना है कि यह लेवाइस द्वारा बेचे गए शुरुआती पैंट में से एक है। डिजाइन और बनावट की टेक्निक के आधार पर उन्होंने यह अनुमान लगाया है। हालांकि आधिकारिक तौर पर लेवाइस ने अपना पहला जींस जहाज डूबने के 16 साल बाद 1873 में बेचा था। कंपनी के आर्काइव डायरेक्टर ट्रेसी पानेक का कहना है कि इस पैंट पर ब्रांडिंग और हॉलमार्क मिसिंग है। मुझे लगता है न तो यह लेवाइस का है और न ही खदान में काम करने वाले किसी खनिक का।

बीजिंग में कोरोना संक्रमण के बीच ही एक लाश को ताबूत में रखते हुए कर्मचारी।

घर में आग लगने से भारतीय-अमेरिकी महिला उद्यमी की ह्यूस्टन में मौत

ह्यूस्टन । भारतीय-अमेरिकी उद्यमी और उसके कुत्ते की 14 दिसंबर को न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड में उनके डिक्स हिल्स कॉटेज में आग लगने से जलकर मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि उन्हें डिक्स हिल्स में कॉटेज में 14 दिसंबर को आग लगने की सूचना मिली। दो पुलिस अधिकारियों और एक सर्जेंट ने तान्या बथिजा (32) को बचाने की कोशिश की लेकिन आग बहुत भीषण थी इस लिए उन्हें बचाया नहीं जा सका। स्थानीय दमकल विभाग ने जब तक आग पर पूरी तरह काबू पाया। पुलिसकर्मियों ने उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया बथिजा के फेफड़ों में धुआं भर गया था इस वजह से उनकी मौत हो गई। सफोल्क काउंटी पुलिस विभाग ने बताया था कि प्रारंभिक जांच के बाद पाया गया है कि आग लगने के पीछे कोई आपराधिक वजह नहीं थी। सफोल्क पुलिस विभाग के प्रमुख केविन बेयरर ने कहा बथिजा कार्ल्स स्ट्रेट पाथ पर अपने माता-पिता के घर के पीछे कॉटेज में रहती थीं। उन्होंने बताया कि बथिजा के पिता गोबिंद बथिजा 14 दिसंबर को काम पर जाने से पहले जब व्यायाम करने के लिए उठे तो उन्होंने खिड़की के बाहर देखा और कॉटेज में आग लगी हुई थी। उन्होंने तुरंत अपनी पत्नी को उठाया और दोनों कॉटेज की तरफ दौड़े और बेटी को बाहर निकालने की कोशिश की लेकिन तब तक आग बुरी तरह फैल चुकी थी। डिक्स हिल्स में तान्या बथिजा जाना-पहचाना नाम थीं। वह सफल उद्यमियों में से एक थी। उनका अंतिम संस्कार मेलोनी लेक फनरल होम में रविवार को किया गया।

पुतिन ने स्वीकार किया जितना बताया गया था उससे कहीं ज्यादा मजबूत निकले यूक्रेनी

मॉस्को (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कबूल किया है कि यूक्रेन को जितना मजबूत बताया गया था वे उससे कहीं ज्यादा मजबूत निकले। व्लादिमिर पुतिन ने कहा कि यह युद्ध शायद जितना हमने सोचा था उससे कहीं अधिक कठिन होने जा रहा है। लेकिन युद्ध उनके इलाके में हो रहा है हमारे इलाके में नहीं। हम एक बड़े देश हैं और हमारे पास धैर्य है। उधर कुछ खबरों में कहा गया कि यूक्रेन में कुछ इलाकों से रूसी सेना के पीछे हटने के बाद से पुतिन ने सेना को चाक-चौबंद करने पर जोर दिया है।

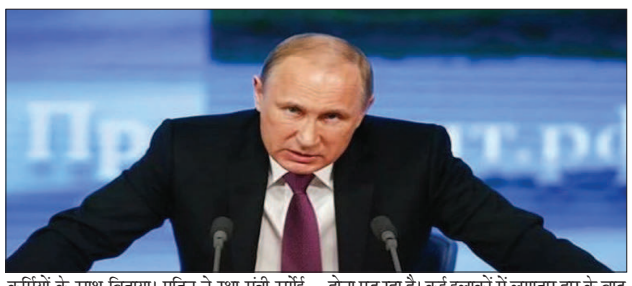

यूक्रेन युद्ध की रणनीति पर चर्चा के लिए व्लादिमीर पुतिन ने रूस के शीर्ष सैन्य अधिकारियों से क्रेमलिन में लंबी-लंबी मुलाकातें की। क्रेमलिन ने बताया कि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन में रूस के युद्ध अभियान के जिम्मेदार सैन्य शीर्ष अधिकारियों के साथ व्यापक बैठकें की हैं। जबकि रूस ने यूक्रेन पर बमबारी और ज्यादा तेज कर दी है। क्रेमलिन से जारी एक बयान में कहा गया है कि शुक्रवार को राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पूरा दिन यूक्रेन में विशेष सैन्य अभियान में शामिल सैन्य कर्मियों के साथ बिताया। पुतिन ने रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगू और जनरल स्टाफ के प्रमुख वालेरी गेरासिमोव के साथ बैठक की और विभिन्न रक्षा शाखाओं के कमांडरों के साथ अलग-अलग चर्चा की।

उधर रूस ने यूक्रेन के कई शहरों पर लगातार मिसाइलों की बौछार जारी रखी है। जिसके कारण कई शहर अंधेरे में डूब गए हैं। उन शहरों में पानी और हीटिंग की सप्लाई कट गई और लोगों को शून्य से नीचे तापमान में कड़के की ठंड सहने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। कई इलाकों में लगातार हार के बाद रूस ने अक्टूबर के बाद से यूक्रेन की सैन्य-संबंधित सुविधाओं के साथ ही उसकी बिजली सप्लाई को सबसे बड़े पैमाने पर अपने हवाई हमलों का निशाना बनाया है। फ्रांस और यूरोपीय संघ ने कहा कि कड़ाके की बर्फीली ठंड में यूक्रेन के नागरिकों को बिजली और गैस की सप्लाई से दूर रखने के लिए किए जा रहे लगातार हवाई हमले एक तरह से युद्ध अपराध हैं। यूरोपीय संघ के विदेश नीति प्रमुख ने इन हवाई हमलों को 'बर्बर' करार दिया है।

सीओपी15 : भारत ने जैवविविधता के संरक्षण के लिए समर्पित कोष बनाने की मांग की

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने कनाडा के मॉन्ट्रियल में जैव विविधता पर संयुक्त राष्ट्र के शिखर सम्मेलन में कहा है कि विकासशील देशों को जैवविविधता को हुए नुकसान को रोकने और उसकी भरपाई करने के वास्ते 2020 के बाद वैश्विक रूपरेखा सफलतापूर्वक लागू करने में मदद करने के लिए एक नया एवं समर्पित कोष बनाने की तत्काल आवश्यकता है। भारत ने यह भी कहा कि जैवविविधता का संरक्षण 'साझा लेकिन विभेदित जिम्मेदारियों और संबंधित क्षमताओं' (सीबीडीआर) पर आधारित होना चाहिए, क्योंकि जलवायु परिवर्तन प्रकृति पर भी असर डालता है। जैविक विविधता पर संधि (सीबीडी) में शामिल 196 देशों के 2020 के बाद वैश्विक जैवविविधता रूपरेखा (जीबीएफ) पर बातचीत को अंतिम रूप देने के लिए एकत्रित होने के बीच वित्त संबंधित लक्ष्यों में सीबीडीआर सिद्धांत को शामिल करने की मांग की जा रही है। जीबीएफ में जैवविविधता को हुए नुकसान को रोकने और उसकी भरपाई करने के लिए निर्धारित नए लक्ष्य शामिल हैं। भारत सहित 196 देशों के प्रतिनिधि सात दिसंबर से शुरू हुए संयुक्त राष्ट्र के जैवविविधता शिखर सम्मेलन (सीओपी15) में नयी वैश्विक जैव विविधता रूपरेखा (जीबीएफ) पर वार्ता को अंतिम रूप देने की उम्मीद से एकत्रित हुए हैं। इस सम्मेलन में केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा, ''विकासशील देशों को वित्तीय संसाधन उपलब्ध कराने के लिए एक नया और समर्पित तंत्र बनाने की आवश्यकता है। ऐसी निधि जल्द से जल्द बनाई जानी चाहिए, ताकि सभी देश 2020 के बाद जीबीएफ का प्रभावी रूप से क्रियान्वयन कर सकें।'' भारत ने कहा कि जैवविविधता के संरक्षण के लिए लक्ष्यों को लागू करने का सबसे ज्यादा बोझ विकासशील देशों पर पड़ता है और इसलिए इस उद्देश्य के लिए उन्हें पर्याप्त निधि तथा प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण की आवश्यकता है।

उत्तर कोरिया ने पूर्वी तट पर दो बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया

सियोल (एजेंसी)। उत्तर कोरिया ने रविवार को अपने पूर्वी तट की तरफ दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं जो बीते एक महीने में हथियारों का उसका पहला परीक्षण है। उत्तर कोरिया ने दो दिन पहले मुख्य अमेरिकी भूभाग तक मार करने में सक्षम एक शक्तिशाली अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) बनाने के लिए आवश्यक अहम परीक्षण करने का दावा किया था।

दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा कि उनकी सेना ने उत्तर कोरिया द्वारा उसके उत्तर-पश्चिमी तोंगचांगरी इलाके से दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागे जाने का पता लगाया है। मिसाइलों ने उत्तर कोरिया के पूर्वी समुद्र की ओर उड़ान भरी। तोंगचांगरी इलाके में उत्तर कोरिया का सोहेए उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र स्थित है जहां देश अतीत में उपग्रह ले जाने वाले लंबी दूरी के कई रॉकेट का प्रक्षेपण कर चुका है। दक्षिण कोरियाई अधिकारी ने बताया कि मिसाइलें करीब 50 मिनट के अंतराल पर दागी गईं लेकिन उन्होंने अन्य जानकारियां नहीं दीं जैसे कि उत्तर कोरिया ने किस तरह के हथियारों का परीक्षण किया और उन्होंने कितनी दूर उड़ान भरी। ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा कि दक्षिण कोरियाई सेना ने अपनी निगरानी मजबूत की है और वह अमेरिका के साथ करीबी समन्वय बनाए रखे हुए हैं।

जापानी अधिकारियों ने भी कहा कि उन्होंने उत्तर कोरिया द्वारा दो मिसाइलें दागे जाने का पता लगाया है। जापान के तटरक्षक बल ने कहा कि उत्तर कोरिया की ओर से दागी गई मिसाइलें जापान और कोरियाई प्रायद्वीप के बीच समुद्र में गिरीं। अधिकारियों ने बताया कि दोनों मिसाइलें जापान के विशेष आर्थिक क्षेत्र के बाहर गिरीं। बृहस्पतिवार को सोहेए केंद्र में उत्तर कोरिया ने एक नए सामरिक हथियार 'हाई-थ्रस्ट सॉलिड-फ्यूल मोटर' का परीक्षण किया था। इससे उत्तर कोरिया को अमेरिका के मुख्य भूभाग पर हमला करने के लिए एक बैलिस्टिक मिसाइल बनाने में मदद मिल सकती है।

हालांकि अभी यह पता नहीं चल सका है कि क्या रविवार को हुआ परीक्षण सोहेए केंद्र से किया गया। यह पिछले महीने लंबी दूरी की हवासोंग-17 अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल (आईसीबीएम) के परीक्षण के बाद से उत्तर कोरिया द्वारा हथियारों का पहला सार्वजनिक परीक्षण है। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि उत्तर कोरिया अपने हथियारों का परीक्षण तेज कर रहा है ताकि वह उस पर लगे प्रतिबंधों में राहत पाने एवं अन्य छूट लेने के लिए अमेरिका पर दबाव बना सके।

ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस के सरकारी घर से मिला कोकीन

- ब्रिटिश पीएम चुनाव की पार्टी से कनेक्शन मचा बवाल

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन की पूर्व प्रधानमंत्री लिज ट्रस के पुराने सरकारी घर से कोकीन के संदिग्ध निशान मिले हैं। ये निशान चेवेनिंग एस्टेट के उस घर से मिले हैं जहां लिज ट्रस ने अपने राजनीतिक सहयोगियों के लिए पार्टी आयोजित की थी। यह संदिग्ध सफेद पदार्थ ट्रस के प्रधानमंत्री पद के लिए चुने जाने से चंद दिनों पहले बरामद हुआ था। उस समय लिज ट्रस ब्रिटेन के विदेश मंत्री थीं। एस्टेट स्टाफ का कहना है कि उन्होंने सफेद पाउडर का परीक्षण किया और इसमें कोकीन होने की पुष्टि हुई। ब्रिटेन के कानूनों के तहत कोकीन रखने पर सात साल की जेल और जुर्माना हो सकता है। इससे पहले बोरिस जॉनसन के प्रधानमंत्री रहते हुए भी सरकारी आवास से ऐसे ही संदिग्ध सफेद पाउडर को बरामद किया गया था।

एक रिपोर्ट में चेवेनिंग एस्टेट में काम करने वाले कर्मचारियों का हवाला दिया है। रिपोर्ट में कर्मचारियों ने बताया कि उन्हें एस्टेट के स्नूकर टेबल वाले गेम रूम में साइड-टेबल पर सफेद पाउडर के निशान मिले। इसी जगह पर लिज ट्रस ने बतौर विदेश मंत्री अपने राजनीतिक मेहमानों के लिए पार्टी आयोजित की थी। ट्रस ने इस साल 19 से 21 अगस्त और 2 से 4 सितंबर को इसी घर पर कई हाईप्रोफाइल पार्टियों की मेजबानी की थी। इसमें टोरी पार्टी लीडरशिप चुनाव में ट्रस को समर्थन करने वाले कई राजनेता ब्यूरोक्रेट्स और दूसरे अन्य अधिकारी शामिल हुए थे। चेवनिंग एस्टेट 17वीं शताब्दी में बना एक ग्रेस एंड फेवर होम है। इसका स्वामित्व ब्रिटिश शाही परिवार के पास है। शाही परिवार सरकार इस घर को सरकारी अधिकारियों को पट्टे पर देती है जो आमतौर पर मुफ्त होता है। चेवनिंग एस्टेट परंपरागत रूप से ब्रिटेन के विदेश मंत्री को दी जाती है। यह 3000 एकड़ में फैला हुआ है जिसकी देखरेख ब्रिटिश संसद की बनाई एक ट्रस्ट करती है।

इस रिपोर्ट में किसी भी स्रोत ने यह नहीं बताया कि लिज ट्रस इस पदार्थ का सेवन करती थीं या उन्हें इसके बारे में जानकारी थी। उन्होंने यह भी नहीं बताया कि यह सरकारी आवास तक कैसे पहुंचा। एक अंदरूनी सूत्र ने कहा कि व्हाइटहॉल और संसदीय एस्टेट में कोकीन का बड़े पैमाने पर खपत होता है और दावा किया कि ट्रस के कुछ राजनीतिक सहयोगियों ने इसका इस्तेमाल किया होगा। दावा है कि लिज ट्रस की किसी भी पार्टी में बोरिस जॉनसन शामिल नहीं हुए थे।

इमरान खान ने 23 दिसंबर को प्रांतीय विधानसभाएं भंग करने का किया ऐलान

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के अपदस्थ प्रधानमंत्री इमरान खान ने शनिवार को बहुप्रतीक्षित घोषणा की कि पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा में उनकी पार्टी की सरकारें 23 दिसंबर को प्रांतीय विधानसभाएं भंग कर देंगी ताकि नए सिरे से चुनाव का मार्ग प्रशस्त हो सके। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष खान ने शनिवार शाम लाहौर स्थित अपने आवास से वीडियो लिंक के माध्यम से राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि केवल नए सिरे से चुनाव ही देश को आर्थिक संकट से बाहर निकाल सकते हैं। इस दौरान पंजाब और

खैबर-पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री भी खान के साथ थे। उन्होंने प्रांतीय विधानसभाओं को भंग करने की तारीख की घोषणा करते हुए कहा, ÷हम दिवालिया होने की ओर बढ़ रहे हैं और केवल नए सिरे से व निष्पक्ष चुनाव ही पाकिस्तान की आर्थिक समस्याओं का समाधान कर सकते हैं।÷

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली सरकार ने घोषणा की है कि अगस्त 2023 में सरकार का कार्यकाल पूरा करने के बाद अगला आम चुनाव होगा। खान ने कहा कि पीएमएल-एन गठबंधन सरकार देश भर में नए सिरे से चुनाव कराने के लिए सहमत हो या नहीं, उनकी घोषणा से यह सुनिश्चित होगा कि दोनों विधानसभाओं के भंग होने के बाद पाकिस्तान के 65 फीसदी हिस्से में चुनाव कराने पड़ेंगे।

जलवायु परिवर्तन की वजह से शताब्दी के अंत तक धरती पर मौजूद 10 में से एक प्रजाति नष्ट हो जाएगी

-जलवायु परिवर्तन के प्रभावों पर काम कर रहे वैज्ञानिकों ने दी चेतावनी

वॉशिंगटन (एजेंसी)। जलवायु परिवर्तन के प्रभावों पर काम कर रहे वैज्ञानिकों ने डराने वाली चेतावनी दी है। उन्होंने बताया है कि इस शताब्दी के अंत तक पृथ्वी पर मौजूद हर 10 में से एक प्रजाति विलुप्त हो सकती है। संयुक्त राष्ट्र जैव विविधता सम्मेलन के दौरान प्रस्तुत नए शोध में कहा गया है कि 21वीं सदी के अंत तक पृथ्वी अपनी प्रजातियों के दसवें भाग को खो सकती है। इस खतरनाक हालात से निपटने के लिए दुनियाभर के 3000 वैज्ञानिकों ने अपने-अपने देश की सरकारों से तुरंत कार्रवाई की मांग की है।

इस शोध में जैव विविधता पर द्वितीयक प्रभावों का अध्ययन भी किया गया है जो दूसरी प्रजातियों पर निर्भर रहते हैं।

शोधकर्ताओं ने रिसर्च के दौरान इस नतीजे को पाने के लिए एक सुपरकंप्यूटर की मदद से पृथ्वी का एक सिमुलेशन मॉडल बनाया। इस सिमुलेशन मॉडल को कृत्रिम प्रजातियों के साथ आभासी दुनिया में बदला गया। इसके बाद इन पर ग्लोबल वॉर्मिंग और जमीन के इस्तेमाल के प्रभाव को देखा गया। इस शोद में शामिल हेलसिंकी विश्वविद्यालय के डॉ जियोवन्नी स्ट्रोना ने कहा कि हमने एक आभासी दुनिया को पृथ्वी पर मौजूद जीवों से आबाद किया है। यह देखने में बिलकुल धरती पर पाए जाने वाले पर्यावरण की तरह था। फिर हमने ग्लोबल वॉर्मिंग और इंसानों के जमीन उपयोग करने के तरीकों को लागू किया।

उन्होंने बताया कि सिमुलेशन में हमने देखा कि सबसे ज्यादा खराब स्थिति में 27 फीसदी प्रजातियां मर सकती हैं। अगर प्रभाव मध्यम रहा तो 13 फीसदी जानवर और पौधे विलुप्त हो जाएंगे। वैज्ञानिकों ने बताया कि यह एक अद्वितीय अध्ययन है क्योंकि इसमें जैव विविधता पर द्वितीयक प्रभावों को ध्यान में रखा गया है जब एक प्रजाति के विलुप्त होने पर दूसरी प्रजाति अपने आप खत्म हो जाती है।

ऑस्ट्रेलिया में फ्लिंडर्स यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर कोरी ब्रैडशॉ ने कहा कि आप किसी

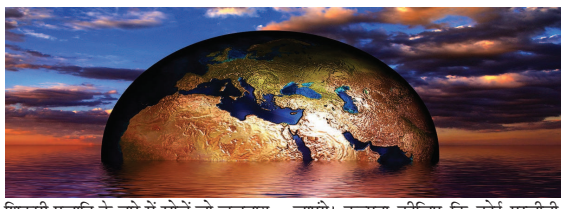

शिकारी प्रजाति के बारे में सोचें जो जलवायु परिवर्तन के कारण अपने शिकार को खो देती है। शिकार होने वाली प्रजाति का खत्म होना प्राथमिक विलोपन है क्योंकि उसका अंधाधुंध शिकार किया गया। अब उसका शिकार करने वाली प्रजाति के पास भी खाने के लिए कुछ नहीं बचेगा। इससे शिकारी भी विलुप्त हो जाएंगे। कल्पना कीजिए कि कोई परजीवी जंगलों की कटाई के कारण अपने आहार न पा सके या एक फूल वाला पौधा धरती के अधिक गर्म होने के कारण अपने परागणकों को खो दे तो क्या होगा। हर प्रजाति किसी न किसी तरह से दूसरी प्रजाति पर निर्भर है।

संपादकीय

भुट्टो और राहुल ज़रा संभलकर बोलें

भुट्टो कहा करते थे कि भारत से यदि हजार साल भी लड़ना पड़े तो वे लड़ते रहेंगे लेकिन वे कश्मीर लेकर रहेंगे। बेनज़ीर से मैं जब-जब भी मिला तो मैंने उनसे कहा कि आप कश्मीर लेने के चक्कर में पाकिस्तान खो बैठेंगी। फौज के तले दबे हुए पठान बलूच और सिंधी आपके देश के कई टुकड़े कर देंगे।

(लेखक-डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो और कांग्रेस के मालिक राहुल गांधी के बयानों पर भारत में तीखी प्रतिक्रियाएं हो रही हैं। पता नहीं इन दोनों पार्टी-मालिकों के बयानों पर भाजपाइयों को इतने नाराज होने की जरुरत क्या है? जहां तक बिलावल का सवाल है वह जब छोटा बच्चा था तो अपनी मां बेनज़ीर के साथ मुझसे मिलने अक्सर दुबई में आया करता था। अब वह अचानक पार्टी का मुखिया और विदेश मंत्री बन गया है। उसके मुंह से यदि कोई अग्निवर्षक बयान नहीं निकलेगा तो पाकिस्तान में उसे कौन गांठेगा? वह अपने नाना जुल्फिकार अली भुट्टो से भी आगे निकलना चाहता है। इसीलिए उसने अपना उपनाम अपने पिता ज़रदारी का रखने की बजाय अपने नाना भुट्टो का रख लिया है। भुट्टो कहा करते थे कि भारत से यदि हजार साल भी लड़ना पड़े तो वे लड़ते रहेंगे लेकिन वे कश्मीर लेकर रहेंगे। बेनज़ीर से मैं जब-जब भी मिला तो मैंने उनसे कहा कि आप कश्मीर लेने के चक्कर में पाकिस्तान खो बैठेंगी। फौज के तले दबे हुए पठान बलूच और सिंधी आपके देश के कई टुकड़े कर देंगे। मुझे विश्वास था कि बिलावल बड़ा होकर इस मुद्दे पर ध्यान देगा लेकिन उसने न्यूयार्क में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना कुख्यात आतंकवादी उसामा बिन लादेन से कर दी। अब जबकि प्रधानमंत्री शाहबाज़ शरीफ और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान काफी संतुलित बयान दे रहे हैं बिलावल ने ऐसा अतिवादी बयान देकर अपन छवि बनाई या बिगाड़ी है वह जरा खुद सोचें। इसी तरह राहुल गांधी ने तवांग में हुई छुटपुट भारत-चीन मुठभेड़ के बारे में कुछ ऐसी बातें कह दी है कि जो उल्टे बांस बरेली जैसी लगती हैं। उन्होंने पूछा है कि गलवान घाटी कांड के और उसके पहले चीन ने जो हमारी जमीन छीनी है उसके बारे में मोदी चुप क्यों हैं? राहुल को शायद पता नहीं कि उसके परनाना नेहरुजी के जमाने में हमारी लगभग 38 हजार किमी जमीन पर चीन ने कब्जा कर लिया था और 1962 के युद्ध में भारत को भारी शार्मिंदगी उठानी पड़ी थी। पिछले पांच-छह दशक के शासन-काल में क्या कांग्रेस पार्टी ने उस जमीन की वापसी के लिए कभी कोई ठोस कोशिश की? राहुल के पिताजी प्रधानमंत्री राजीव गांधी तो चीनी नेताओं से गल-मिलव्वल के लिए 1988 में चीन भी पहुंच गए थे। कांग्रेस ने मोदी से तवांग पर सात सवाल पूछे हैं उनमें से कुछ तो बिल्कुल सही हैं जो विरोधी दलों को उठाना ही चाहिए लेकिन ये सवाल जिस तरह से पूछे गए हैं वे भारत के राष्ट्रहितों का अहित तो करते ही हैं और बहादुर फौजियों का मनोबल भी गिराते हैं। कांग्रेस की राजीव गांधी फाउंडेशन का चीन से जो लेन-देन रहा है वह भी इन बयानों से बराबर उजागर होता है। इसीलिए बिलावल भुट्टो और राहुल गांधी जैसे युवा नेताओं को इस तरह के विवादास्पद बयान देते समय कुछ अनुभवी सलाहकारों से परामर्श जरुर कर लेना चाहिए।

सूक्ति

दंड द्वारा प्रजा की रक्षा करनी चाहिए लेकिन बिना कारण किसी को दंड नहीं देना चाहिए।
- रामायण

शाश्वत शांति की प्राप्ति के लिए शांति की इच्छा नहीं बल्कि आवश्यक है इच्छाओं की शांति।
- स्वामी ज्ञानानंद

लॉफिंग ज़ोन

बंता : यार संता! अगले शुक्रवार को मेरी शादी है , सभी दोस्तों को बुलाया है। तुम भी जरूर आना।

संता : यार आऊंगा तो जरूर , लेकिन मेरे पास कोई गिफ्ट नहीं है।

बंता : यार गिफ्ट की क्या जरूरत है, बस शादी के लिए एक लड़की ले आना।

☺ ☺ ☺

एक कुंए के बारे में यह मशहूर था कि उसमें सिक्का डालकर मांगने से हर मुराद पूरी होती है।

यह सुनकर एक दंपती भी कुंए के पास पहुंचे।

पति ने सिक्का डाला और उसके बाद पत्नी जैसे ही सिक्का डालने के लिए झुकी कि कुंए में गिर गई।

पति खुशी से झूम उठा : मुझे नहीं मालूम था कि यहां मुराद इतनी जल्दी पूरी हो जाती है।

☺ ☺ ☺

भिखारी: साहब एक रुपया दे दो।

आदमी : आज मेरे पास छुट्टे नहीं हैं, कल आना।

भिखारी: साहब , इस कल-कल के चक्कर में कॉलोनी में मेरे लाखों रुपये फंसे हुए हैं।

☺ ☺ ☺

फिर विपक्षी एकता की सुगबुगाहट

अशोक उपाध्याय

गुजरात और हिमाचल प्रदेश के विधानसभा तथा दिल् ली नगर निगम के चुनाव हो चुके हैं। भारतीय जनता पार्टी ने गुजरात में जीत का सिलसिला जारी रखा और अपने रिकार्डतोड़ प्रदर्शन से धुर-विरोधियों को प्रधानमंत्री नरेन् द्र मोदी के नेतृत्व के करिश्मे के आगे बेदम कर दिया। भाजपा ने गुजरात की 182 सदस्यीय विधानसभा के अब तक के इतिहास में सर्वाधिक 156 सीटें जीतकर नया रिकार्ड बनाया और उसकी पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस 17 सीटों पर सिमट गई जिसे पिछली बार 77 सीटें मिली थीं। हिमाचल प्रदेश में राज बदल गया, पर रिवाज नहीं बदला और हर बार सरकार पलटने के रिवाज के तहत कांग्रेस फिर सत्ता में लौट आई। दिल्ली नगर निगम के चुनावों में आम आदमी पार्टी ने भारतीय जनता पार्टी को हराकर पहली जीत दर्ज की, लेकिन हिमाचल प्रदेश में उसके सारे प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई। गुजरात में आप के नेता अरविंद केजरीवाल के लोकलुभावन वादे मतदाताओं को रिझाने में असफल रहे। उसे महज पांच सीटों से संतोष करना पड़ा और कांग्रेस को पीछे धकेलने का मंसूबा भी धरा का धरा रह गया। हर चुनाव के बाद हार-जीत का राजनीतिक विश लेषण होना स्वाभाविक है। एक बार फिर मोदी बनाम विपक्ष को लेकर नये समीकरण गढ़ने की कवायद शुरू हो गई है। बिहार की कुढ़नी विधानसभा सीट का उपचुनाव हारने के बाद बिहार के मुख् यमंत्री नीतीश कुमार ने फिर से अपनी पुरानी सोच को बुलंद करने की शुरुआत की है और कहा है कि अगर सारा विपक्ष एकजुट हो जाये तो वह अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा को हरा सकता है। उन्होंने महागठबंधन के घटक राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव को अपना उत्तराधिकारी घोषित कर दिया है और विपक्ष को एकजुट करने का बीड़ा उठाने का मंतव्य जाहिर किया है। समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने भी कहा है कि कई राजनीतिक दल के मुखिया विपक्ष की एकता को लेकर बात कर रहे हैं। दोनों नेताओं के पूरे कथन में अगर-मगर, किंतु-परंतु की मजबूरियों को आसानी से देखा जा सकता है। कई संभावनाओं को लेकर समीकरण गढ़े जा सकते हैं लेकिन अब तक तीन बड़े मौकों पर विपक्ष सत्तारूढ़ दल या गठबंधन के खिलाफ एकजुट होकर अपने मकसद में सफल रहा है लेकिन ज्यादा दिन टिक नहीं पाया। पहला मौका था इमरजेंसी (आपातकाल), जब वामदलों को छोड़कर सभी राजनीतिक दल एकजुट हुए और जनता पार्टी का गठन हुआ। जनसंघ समेत कई राजनीतिक दलों के विलय के साथ बनी जनता पार्टी ने सर्वोदयी नेता जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को हराया और कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया था। विपक्ष के लिये यह एक बड़ी उपलब्धि थी, लेकिन जनता पार्टी ढाई साल भी नहीं टिक पाई। मोरारजी देसाई को हटाकर चौधरी चरण सिंह कांग्रेस की मदद से प्रधानमंत्री बने और उन्हें बहुमत साबित करने के लिए 23 दिन का समय दिया गया था, लेकिन ठीक एक दिन पहले 19 अगस्त, 1979 को इंदिरा गांधी ने समर्थन वापस ले लिया। संसद का एक दिन भी सामना किये बगैर चरण सिंह को इस्तीफ़ा देना पड़ा। फिर लोकसभा चुनाव हुए और इंदिरा गांधी चुनाव जीत गईं और जनता पार्टी हार गई फिर टुकड़े-टुकड़े में बंट गई। दस साल बाद राजीव गांधी सरकार के कथित बोफोर्स घोटाले के मद्देनजर सारा विपक्ष एक बार फिर एकजुट हुआ और 1989 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस हार गई। कांग्रेस छोड़कर आये विश वनाथ प्रताप सिंह दो दिसंबर, 1989 को प्रधानमंत्री बने लेकिन विपक्ष की एकजुटता अंतर्कलह की शिकार हो गई। उनका शासन एक साल से कम चला और उन् हें 10 नवंबर, 1990 को इस् तीफा देना पड़ा। एक बार फिर कांग्रेस के समर्थन से चंद्रशेखर प्रधानमंत्री बने और एकजुट विपक्ष बिखर गया। पुरानी कहानी दोहरायी गई और कांग्रेस के समर्थन वापस लेने के बाद चंद्रशेखर सरकार गिर गई। यह वह दौर था जब अयोध् या में राममंदिर निर्माण को लेकर आंदोलन चरम पर था। वर्ष 1996 के लोकसभा चुनावों में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी और अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत् व में भाजपा की सरकार बनी। बहुमत नहीं होने के कारण वाजपेयी को इस् तीफा देना पड़ा और विपक्ष को एकजुट रखने के लिये बने यूनाइटेड फ्रंट ने कर्नाटक के नेता एचडी देवेगौड़ा को संसदीय दल का नेता चुना और वह प्रधानमंत्री बने। इस बार भी यूनाइटेड फ्रंट बिखरने लगा और महज दस महीने में कांग्रेस की समर्थन वापसी के बाद देवेगौड़ा को इस् तीफा देना पड़ा। फिर 21 अप्रैल, 1997 को इंद्रकुमार गुजराल प्रधानमंत्री बने लेकिन उनका हश्र भी देवेगौड़ा जैसे हुआ। लोकसभा चुनाव हुए और अटल बिहारी वाजपेयी राष् ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नेता चुने गये और 19 मार्च, 1998 को दोबारा प्रधानमंत्री बने। उनकी सरकार एक साल बाद लोकसभा में एक मत से हार गई, लेकिन अगले लोकसभा चुनाव में राजग स् पष् ट बहुमत हासिल करने में सफल रहा और उसने अपना कार्यकाल पूरा किया। एकजुटता के नाम पर विपक्ष को एकजुट करने की कवायद अपने आप में जटिल है। वामदल राजनीति में पहले ही हाशिये पर जा चुका और उनके साथ कई क्षेत्रीय दलों का राजनीतिक दायरा सिमटता जा रहा है। हर क्षेत्रीय दल की अपनी सीमाएं हैं और अधिकतर एक राज य तक सीमित हैं। खुद नीतीश कुमार का जनता दल बिहार की सरहद पार नहीं कर पाया है। ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस पश्चिम बंगाल से बाहर नहीं निकल पाई। द्रमुक एवं अन् नाद्रमुक तमिलनाडु तक सीमित हैं। बीजू जनता दल ओडिशा तेलंगाना राष् ट्र समिति तेलंगाना और कांग्रेस वाईएसआर आंध्र प्रदेश तक सीमित हैं। दीगर बात यह है कि कोई अपनी जमीन छोड़ना नहीं चाहता है। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनावों के लिये नरेंद्र मोदी को जब भाजपा ने प्रधानमंत्री पद का उम् मीदवार बनाया तब उन् होंने वाराणसी और राजकोट से लोकसभा चुनाव लड़कर एक तीर से दो निशाने साधे थे। मोदी मूल रूप से गुजराती हैं फिर भी उन् होंने वाराणसी लोकसभा सीट को बरकरार रखने का फैसला किया और उनकी पकड़ गुजरात के साथ उत्तर प्रदेश पर भी बन गई। इसका उदाहरण उत्तर प्रदेश के पिछले दो विधानसभा चुनाव भी हैं, जिसमें मोदी के नेतृत् व में भाजपा लगातार दूसरी बार भारी अंतर से जीती। कहते हैं कि दिल् ली की गद्दी का रास् ता उत्तर प्रदेश से होकर जाता है। ऐसे में उत्तर प्रदेश और गुजरात की जीत से पूरे देश में बार-बार संदेश गया कि मोदी है तो मुमकिन है। कांग्रेस अपने खोये हुए जनाधार और पार्टी के अंतर्कलह से उबरने की कोशिश कर रही है और उसकी कमजोरी का फायदा खंडित विपक्ष भी उठाने में कोई कसर बाकी नहीं रखता है। खंडित विपक्ष के घटक दल कांग्रेस और वामदलों की जमीन पर पनपे और लंबे समय से फल-फूल रहे हैं। वे कांग्रेस के नेतृत् व को स् वीकार करने के लिये तैयार नहीं दिखते। ऐसे में भाजपा के खिलाफ उनके मिलकर चुनाव लड़ने की संभावना को फिलहाल दूर की कौड़ी ही माना जा सकता है।

लेखक यूनीवार्ता के पूर्व संपादक हैं।

विरलों को ही मिली मेसी जैसी शोहरत

चर्चित चेहरा/ अरुण नैथानी

फिलहाल पूरी दुनिया फुटबाल के खुमार में डूबी है। भले ही भारत में क्रिकेट का जुनून हावी रहता हो लेकिन फुटबॉल के दीवाने भी कम नहीं हैं। कलकत्ता समेत देश के कई इलाकों में लोग अर्जेंटीना और उसके फुटबॉल के कोहिनूर मेसी के दीवाने हैं। उसके नंबर की जर्सी की भी धूम है। फिर उसके अपने देश अर्जेंटीना में उसके प्रेमियों की दीवानगी का अंदाजा लगाया जा सकता है। कतर में हुए शुरुआती मैच में भले ही अर्जेंटीना की टीम सऊदी अरब जैसी टीम से हार गई हो, लेकिन अपनी टीम को इसके बावजूद फाइनल तक पहुंचाने का दमखम आखिर मेसी ने दिखा दिया। कह सकते हैं कि सऊदी अरब को हल्के में लेने की वजह से वे हारे। या फिर फुटबॉल के खुमार को खाड़ी देशों में फैलाने के लिये यह फीफा की रणनीति का हिस्सा है। यूं तो लेटिन अमेरिकी देशों व यूरोप में फुटबॉल का खुमार सिर चढ़कर बोलता है, लेकिन एशिया में यह पहली बार नजर आ रहा है। बहरहाल, आज मेसी की फुटबॉल शैली का जादू सिर चढ़कर बोल रहा है। उनकी तुलना फुटबॉल के जादूगर पेले और माराडोना से होती है। कतर में चल रहे फीफा विश्व कप के सेमीफाइनल में क्रोशिया पर धमाकेदार जीत का श्रेय मेसी को दिया जाता है। मेसी अपनी टीम को उस मुकाम तक ले आये हैं, जहां बत्तीस में से दुनिया की चोटी की दो टीमें पहुंच पाती हैं। उन्हें सेमीफाइनल में मैच का सर्वोत्तम खिलाड़ी चुना गया। दरअसल, अर्जेंटीना की सारी उम्मीदें मेसी पर टिकी हैं। मैच शुरू होते ही मेसी-मेसी की आवाजों से स्टेडियम गूंज उठता है। अर्जेंटीना टीम की हर जीत पर फुटबॉल के दीवाने इस देश और पूरी दुनिया में उनके प्रशंसकों द्वारा त्योहार जैसा जश्न मनाया जाता है। पिछला विश्व कप अर्जेंटीना ने वर्ष 1986 में जीता था। हालांकि, मेसी का जन्म इसके अगले साल हुआ था। पूरे देश का सपना है कि मेसी के बूते इस बार देश विश्वकप जीत जाये क्योंकि अगले विश्वकप में वे खेल पायें, यह निश्चित नहीं कहा जा सकता है। वैसे भी अब तक मेसी जैसे दिग्गज खिलाड़ी के दौर में अर्जेंटीना के हिस्से विश्व कप नहीं आया है। दरअसल मेसी का बिजली की गति से फुटबॉल खेलना खेल प्रेमियों को लुभाता है। खेल में तेजी से दिशा बदलने, फुटबॉल पर कब्जा रखने तथा विपक्षी टीम की सुरक्षा पंक्ति भेदने की मेसी की खेल रणनीति के चलते ही उनका जादू सिर चढ़कर बोलता है। उनके खेल का जादू विरोधियों पर भी ऐसे हावी होता है कि मजबूत टीम भी इस दबाव में बिखरने लगती है। उनके आगे दमदार खिलाड़ी भी आभाहीन नजर आते हैं। इस बार सेमीफाइनल में क्रोशिया जैसी मजबूत टीम की यही गति हुई। निस्संदेह, मेसी फिलहाल दुनिया के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉल खिलाड़ियों में शुमार हैं। उनका खेल शानदार भी है और आक्रामक भी। ऐसा भी नहीं कि मेसी ने केवल इसी विश्वकप में दमखम दिखाया हो। उनके खेल के आंकड़ों पर नजर डालने से साफ हो जाता है कि पूरी दुनिया के फुटबॉल प्रेमी यूं ही उनके मुरीद नहीं हैं। वे न केवल खुद गोल करते हैं बल्कि अपने साथियों को भी ऐसा अवसर मुहैया कराते हैं। केवल इस साल ही उनकी टीम द्वारा किये गये कुल गोल में 16 उनके हैं। वे विश्वकप में सबसे अधिक 25 मैच खेलने के सर्वोच्च स्कोर की बराबरी कर चुके हैं। इस विश्व कप में दुनिया के चोटी के खिलाड़ियों में शुमार पुर्तगाल के क्रिस्टयानो रोनाल्डो और ब्राजील के चोटी के खिलाड़ी नेमार जब अपनी टीमों को विश्वकप में खिताबी जीत दिलाने में विफल रहे हैं तो सबकी उम्मीदें मेसी पर टिक गई हैं। उम्मीद यही कि अपने अद्भुत खेल के बूते वे अर्जेंटीना को विश्वकप जिता दें। अब फीफा विश्वकप की ट्रॉफी और मेसी के बीच महज एक मैच का फासला है। फाइनल में अर्जेंटीना का मुकाबला मोरक्को को हराकर फाइनल में पहुंचे फ्रांस से होना है। फ्रांस पिछली बार

का विश्वकप विजेता भी है। अब यदि अर्जेंटीना की टीम सऊदी अरब के साथ खेले गये पहले मैच जैसी गलती न दोहराये तो उसकी जीत की उम्मीदें बरकरार रहेंगी। ध्यान रहे कि इससे पहले मेसी की टीम लगातार 36 मैच जीत चुकी थी। मेसी ने सपने में भी कल्पना नहीं की होगी कि उनकी टीम सऊदी अरब जैसी टीम से हार जायेगी। मगर इस हार के सबक ने टीम को चौकस कर दिया और ऐसी गलतियां टीम ने फिर नहीं दोहरायी। वैसे तो हरेक मैच में जीत एक खिलाड़ी के बूते संभव नहीं होती, ये एक टीम वर्क होता है, लेकिन मेसी जैसे खिलाड़ी की मौजूदगी टीम का मनोबल ऊंचा बढ़ाती है। वे टीम में अतिशय उत्साह भरते हैं। यह विश्वास जगाते हैं कि मेसी जैसे खिलाड़ियों के बूते वे अनहोनी को होनी में बदल सकते हैं। यदि क्रोशिया के साथ हुए सेमीफाइनल पर नजर डालें तो पाते हैं कि इस मैच में जहां मेसी ने एक गोल किया, वहीं जूलियन अल्वरेज ने दो गोल किये थे। इस जीत के चलते ही अर्जेंटीना छठवीं बार फाइनल में जगह बना पाया। बहरहाल, मेसी के दमखम से फ्रांस भी वाकिफ है। उसकी टीम की कोशिश होगी कि किसी तरह से मेसी को खेल पर हावी न होने दिया जाये। उसकी रणनीति मेसी की घेराबंदी की होगी ताकि वह अपना स्वाभाविक खेल न खेल पाये। ये मेसी पर निर्भर करेगा कि वे इस चक्रव्यूह को तोड़ने में किस हद तक कामयाब होते हैं। ऐसे में अर्जेंटीना की मेसी पर अत्यधिक निर्भरता का दांव उलटा भी पड़ सकता है। उम्मीद की जानी चाहिए कि मेसी और अल्वरेज की जोड़ी का तालमेल अर्जेंटीना की हसरतें पूरी कर सकेगा।

(चिंतन-मनन)

नदी और सागर

सुखदेव ऋषि के आश्रम में कई शिष्य रहते थे। उनमें अनुज नामक शिष्य काफी तेज था। धीरे-धीरे वह स्वयं को अन्य शिष्यों से श्रेष्ठ मानकर दूसरों को हीन समझने लगा। ऋषि उसके अंदर छिपे अहं को समझ गए और उसे एक दिन अपने साथ एक सागर के पास ले गए। विशालकाय सागर अत्यंत आकर्षक दिख रहा था। उसकी लहरें जब अठखेलियां करतीं तो मन प्रसन्न हो जाता। ऋषि ने अनुज से सागर का पानी पीने के लिए कहा। अनुज ने जैसे ही पानी मुंह में डाला वैसे ही उसने बुरा सा मुंह बनाकर पानी बाहर निकाल दिया और बोला गुरुजी यह पानी तो खारा है। मेरा मुंह का स्वाद कसैला हो गया। ऋषि उसकी बात सुनकर मुस्कराए। वह उसे अपने साथ लेकर आगे बढ़ते रहे। आगे एक छोटी सी नदी आई। नदी का जल शांत था। ऋषि ने अनुज से नदी का जल पीने के लिए कहा। अनुज ने जैसे ही जल मुंह में डाला वैसे ही उसके मन को अत्यंत तृप्ति मिली। वह बोला गुरुजी नदी के जल ने मुंह का स्वाद बढ़ा दिया है। इतना ठंडा और मीठा जल बहुत कम देखने को मिलता है जबकि इतने बड़े सागर का पानी एकदम खारा था। उसके ऐसा ही कहते ही ऋषि बोले पुत्र देखा तुमने छोटे-बडे से कुछ नहीं होता। हर व्यक्ति को अपने व्यवहार और सद्कार्यों से अपने लिए जगह बनानी पड़ती है। तुमने सागर के अहं को देखा। वह सब कुछ अपने में ही भरे रहता है। लेकिन इसका जल खारा होता है। जबकि छोटी सी नदी जो पाती है उसका अधिकांश बांटती है इसलिए उसके जल में मिठास है। व्यक्ति को बड़े होने पर भी अहं को अपने पास नहीं फटकने देना चाहिए अन्यथा उसका हाल भी सागर की तरह ही होता है। मेरे विचार में तुम मेरी बातों का अर्थ अच्छी तरह समझ गए हो। अनुज को अपनी गलती का अहसास हो गया। उसने अपने भीतर से अपना अहं निकाल फेंका।

योग के साथ ही ऋषि मुनियों की शिक्षा को अपनाएं

आजकल की भागदौड वाली जीवन शैली तथा मिलावटी भोजन और फास्ट फुड व्यक्ति की सेहत पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहे हैं। इसलिए हमें निरोग और ऊर्जावान रहने के लिए हमें अपनी जीवनशैली में बदलाव करना बेहद जरूरी है और इसके साथ प्रकृति के साथ तालमेल बिठाते हुए योग को जीवन चर्या में शामिल करना होगा। योग अनेक बीमारियों में कारगर हैं। प्रदूषण के विकराल स्तर पर पहुंचने और जीवन शैली के (खास करके नई पीढ़ी की) पश्चिमी देशों के गुलाम बन जाने से हम कम उम्र में ही गंभीर बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। ऐसे में जरूरत है कि हम अपने ऋषि मुनियों की शिक्षा को अपनाएं जिन्होंने योग और उत्तम जीवन शैली के माध्यम से सौ साल से भी अधिक समय तक निरोगी रहकर जीवन साधना की।

योग विश्व को भारत की ही देन है लेकिन पश्चिम इसे जब योगा कहता है तो हम उनकी हर बात को आखें बंद कर विश्वास करने लगते हैं। हम अपनी अच्छाइयों से दूर होते जा रहे हैं और गलत आचरण अपनाने लगे हैं। खाने-पीने से लेकर उठने-बैठने यहां तक की चलने में भी हम सब भेड़ चाल अपना रहे हैं और साथ ही कहते हैं कि वर्तमान में सब कुछ प्रदूषित हो गया है। दुख की बात है कि हम अपनी तरफ नहीं देखते। स्वस्थ और स्लिम ट्रिम बनने के लिए हजारों रुपये लगाकर जिमखानों के चक्कर लगाते हैं और जीवन के लिए बेहद आवश्यक और वैज्ञानिक जीवन शैली योग को दरकिनार करते हैं।

साल 2023 में शनि की साढ़े साती या ढैय्या का असर रहेगा इन राशियों पर

शनिदेव 17 जनवरी 2023 को मकर से निकलकर कुंभ राशि में गोचर करने लगेंगे। इसके बाद से ही वर्ष 2023 में कुछ राशियों को शनि की ढैय्या और साढ़ेसाती से मुक्ति मिलेगी या राहत मिलेगी और कुछ राशियों को अभी और झेलना होगा साढ़े साती या ढैया का कष्ट। आओ जानते हैं कि आपकी राशि के लिए अगला वर्ष कैसा है।

शनि की साढ़ेसाती 2023

धनु राशि: 17 जनवरी 2023 को धनु राशि वालों को शनि की साढ़ेसाती से पूरी तरह मुक्ति मिल जाएगी। शनिदेव की कृपा के चलते सभी अटके कार्य पूर्ण होंगे। घर परिवार में सुख और शांति के साथ ही समृद्धि बढ़ेगी। आपकी राशि पर यह अंतिम चरण चल रहा था।

मकर राशि: मकर राशि वालों पर शनि की साढ़े साती 26 जनवरी 2017 से शुरू हुई थी। यह 29 मार्च 2025 को समाप्त होगी। लेकिन 2023 में कुंभ में शनि के जाने से मकर राशि वालों को राहत मिलेगी और साल 2023 उनके लिए राहत भरा होकर मिलाजुला असर वाला रहेगा। आपकी राशि पर शनि की साढ़े साती का मध्यम चरण चर रहा है।

कुंभ राशि: 29 अप्रैल 2022 को शनि का कुंभ राशि में प्रवेश हुआ था। फिर 5 जून को शनि इसी राशि में वक्री हुआ। फिर 12 जुलाई को वक्री शनि ने मकर में प्रवेश किया। इसके बाद 23 अक्टूबर को शनि ने मकर में ही मार्गी गति की। अब 17-18 जनवरी 2023 के दरमियान शनि ग्रह कुंभ राशि में गोचर, जहां वह 2025 तक रहेगा। शनि के कुंभ में आने से कुंभ राशि वालों को बहुत हद तक शनि की साढ़ेसाती से राहत मिलेगी। सोचे गए और अटके कार्य पूर्ण होंगे। आपकी राशि पर साढ़े साती का दूसरा चरण प्रारंभ होगा।

मीन: मीन राशि पर भी 2023 में शनि की साढ़े साती का साया रहेगा। मीन राशि पर शनि की साढ़े साती का पहला चरण 29 मार्च 2025 तक चलेगा और इस राशि पर 7 अप्रैल 2030 तक साढ़े साती रहेगी।

मिथुन राशि:17 जनवरी 2023 से शनि के मार्गी होने पर मिथुन राशि से पूरी तरह शनि की ढैया का प्रभाव खत्म हो जाएगा। शनिदेव की कृपा के चलते सभी तरह के संकट दूर होकर मनोकामनापूर्ण होगी। आर्थिक हालात में सुधार होगा।

तुला राशि:17 जनवरी 2023 से शनि के मार्गी होने पर तुला राशि से पूरी तरह ढैया का प्रभाव खत्म हो जाएगा। तुला राशि पर शनि की ढैय्या 24 जनवरी 2020 से चल रही है। शनिदेव की कृपा के चलते सेहत में सुधार होगा। भूमि और भवन संबंधी कार्य पूर्ण होंगे।

कर्क और वृश्चिक:17 जनवरी 2023 को कुंभ राशि में शनि के प्रवेश करते ही कर्क और वृश्चिक राशि वालों पर शनि की ढैया शुरू हो जाएगी। ऐसे में इन राशि के जातकों को ढाई साल तक सतर्क रहना होगा।

कर्म व्यर्थ नहीं होता

अक्सर लोग कर्म और भाग्य के बारें में चर्चा करतें वक्त अपनें - अपनें जीवन में घटति घटनाओं के आधार पर निष्कर्ष निकालतें हैंकोई कर्म को श्रेष्ठ मानता हैंकोई भाग्य को ज़रूरी मानता हैंतो कोई दोनों के अस्तित्व को आवश्यक मानता हैं.लेकिन क्या जीवन में दोनों का अस्तित्व ज़रूरी हैं ? गीता में श्री कृष्ण अर्जुन को कर्मफल का उपदेश देकर कहतें हैं।

कर्मण्यें वाधिकारवस्तें मा फलेषु कदाचन

अर्थात मनुष्य सिर्फ कर्म करनें का अधिकारी हैंफल पर अर्थात परिणाम पर उसका कोई अधिकार नहीं हैंआगे श्री कृष्ण बतातें हैंकि यदि मनुष्य कर्म करतें करतें मर जाता हैंऔर इस जन्म में उसे अपनें कर्म का फल प्राप्त नहीं होता तो हमें यह नहीं मानना चाहियें की कर्म व्यर्थ हो गया बल्कि यह कर्म अगले जन्म में भाग्य बनकर लोगों को आश्चर्य में ड़ालता हैं। यही कारण हैंकि आज भी लोग किसी उच्च पदासीन व्यक्ति के घर जन्म लेनें वालें व्यक्ति के विषय में यही राय रखतें हैंकि ज़रूर पूर्व जन्म के कर्म श्रेष्ठ रहें होगें तभी ऐसे घर जन्म मिला अब ये अलग बात हैंकि अपनें पूर्वजन्मों के कर्म को कोई व्यक्ति कायम नहीं रख पाता और अपनें कदाचरण के द्वारा अपना आगें का जीवन बर्बाद कर लेता हैंजबकि कुछ लोग पूर्वजन्मों के कर्म को आगें बढ़ाकर और श्रेष्ठ जीवन व्यतित करतें हैंकिसी कहा भी हैंकि भाग्यवान को वही मिलता हैंजो कर्मवीर छोड़कर गया था और फिर भाग्य चमकता भी कितनें का हैं लाखों में किसी एक का जबकि कर्मवीर का तो भाग्योदय तय होता हैं।

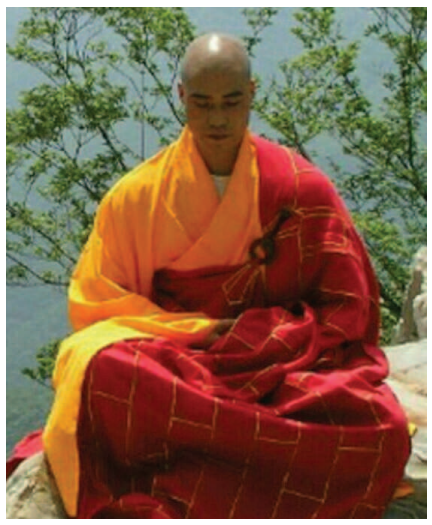

जो कर्म शरीर द्वारा होता हैं वह कायिक या शारीरिक कर्म होता हैंअपनें शरीर द्वारा किसी मनुष्य जीव - जन्तु को कोई चोट् या आघात नही हो बल्कि सदैव शरीर दूसरों की भलाई के लिये तत्पर रहे यही कायिक कर्म होता हैं।

वाणी सदैव मीठी रहनी चाहियें क्योंकि बाण से निकला तीर और मुहँ से निकली बोली कभी वापस नहीं आती दुर्योधन के प्रति द्रोपदी का यह कथन कि अन्धों के अन्धे होतें हैं ने महाभारत कि रचना कर दी और भारत भूमि की सभ्यता संस्कृति को बदल दियादूसरी और मीठे बोलों ने कितनें ही क्रोध को शांत किया हैं कहा गया हैं।

कागो काको धन हरैकोयल काको देय ?मीठे वचन सुनाइ केजग अपनो कर लेई 77

जब श्री राम ने परशुराम के आराध्य शंकर का धनुष प्रत्यांचा चढ़ानें के लिये झुकाया तो धनुष टूट गया इस पर आगबबूला परशुराम फरसा लेकर राम के पास गये और कहा कि किसनें मेरें आराध्य का धनुष तोड़ा हैंवो मेरा सामना करें इस पर श्री राम ने कहा प्रभु में तो सिर्फ राम ही हूँ आप तो परशुराम हैंमैं आपसे कैसें युद्ध कर सकता हूँइतना कहतें ही परशुराम का गुस्सा सातवें आसमान से सीधें जमीन पर आ गया और उन्होनें राम को गले लगाकर कहा राम तुम वास्तव में धनुष पर प्रत्यांचा चढ़ानें के अधिकारी होकहनें का तात्पर्य यही कि मधुरवाणी वीरो का आभूषण हैं।

तीसरा कर्म मानसिक कर्म हैंमन में हम जो सोचतें हैंविचार करतें हैं वही कायिक और वाचिक कर्म का आधार हैंकहतें हैंकि विचारों की शक्ति दूर बैठें व्यक्ति को भी प्रभावित करती हैंयही कारण हैंकि लोग प्रार्थना को ईश प्राप्ति का साधन मानतें हैं। वास्तव में हम सर्वाधिक कर्म मानसिक रूप में ही करतें हैंइसलिए भारतीय मनीषी कहतें हैंकि आदमी जैसा सोचता हैंवैसा बन जाता हैं।

राम नाम से होगा बेड़ा पार

राम से बड़ा राम का नाम होता है। जहां भगवान राम की सेवा पूजा से केवल वही प्रसन्न होते हैं राम का नाम लेने मात्र से ही भगवान राम सहित हनुमानजी तथा देवों के देव महादेव भी प्रसन्न होकर स्वयं मनोकामना पूर्ति करते हैं। राम नाम के ऐसे ही कुछ प्रयोग जो आपकी जिंदगी को पूरी तरह बदल देंगे।

रोज सुबह सेवा-पूजा के बाद तुलसी अथवा रूद्राक्ष की माला से 108 बार राम नाम का जप करें। इससे आपके ऊपर आने वाले कष्ट ऐसे खत्म हो जाएंगे जैसे सूर्य की धूप निकलते ही ओस की बूंदे उड़ जाती हैं। जब भी कोई बहुत बड़ी समस्या आ जाए और कोई उपाय न सुझाई दें हनुमानजी की पूजा-अर्चना कर वहीं आसन पर बैठ जाएं और राम नाम का जप करते रहें। यदि हर मंगलवार तथा शनिवार को इस प्रयोग को करेंगे तो जीवन में कभी भी कोई भी कष्ट आपको परेशान नहीं कर पाएगा।

यदि आपको लगता है कि घर में किसी तरह की भूत प्रेत बाधा हो या कोई नकारात्मक शक्ति प्रवेश कर गई हो तो इसके लिए सबसे अच्छा उपाय है कि गंगाजल को राम-राम जपते हुए पूरे घर में छिड़क दें। सायं काल पूजा के समय भी गोबर के उपले पर लौहबान तथा गूग्गल की जलाकर पूरे घर में धूनी दें। इससे तुरंत ही आपकी हर समस्या दूर हो जाएगी। अगर आप सुंदरकांड का पाठ करते हैं तो पाठ के आरंभ अथवा अंत में एक माला राम नाम के जप की कर लें। इससे हनुमानजी अत्यन्त प्रसन्न होकर आपकी हर अभिलाषा पूरी करेंगे।

अगर घर के किसी व्यक्ति या बच्चे को नजर लग गई हैं तो एक इलायची पर 21 बार राम नाम जप कर फूंक मारे और उसे खिला दें। तुरंत असर दिखाई देगा। मंगलवार को तीन बार राम का नाम लेकर हनुमानजी के निमित्त बंदरों को गुड़-चने खिलाएं। इससे शनि राहू केतु तथा मंगल ग्रहों द्वारा दिए जा रहे सभी प्रकोप तुरंत ही शांत हो जाएंगे और आपके घर में सुख-शांति का वास होगा।

कलाकृतियाँ को सही तरीके से सजाएं नहीं तो आयेंगे वास्तु दोष

कलाकृतियाँ सिर्फ कला दीर्घाओं की ही शोभा नहीं बढ़ातीं बल्कि घर को इनसे एक अलग पहचान मिलती है। लोग इन्हें वास्तु के हिसाब से भी सजाते हैं। पेंटिंग आपके घर के इंटीरियर को बेहतर बनाती हैं। तो लगाती ही है लेकिन अगर आप सही पेंटिंग का चयन करें तो यह घर में खुशी और समृद्धि भी लाती है। वहीं ऐसा नहीं होने पर इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। अगर पेंटिंग के चयन में सावधानी बरती जाए तो यह काफी लाभदायक सिद्ध होती है।

पेंटिंग में रंगों का एक अलग स्थान होता है। हरियाली से युक्त सूर्य की चमकती रोशनी और साफ नीले आसमान वाली पेंटिंग लिविंग रूम के लिए अच्छी मानी जाती है। ऐसी कलात्मक चीजें दक्षिण-पूर्व दिशाओं के लिए बेहतर हैं। गौर करने वाली बात है कि पेंटिंग ऐसी हो जो ऊर्जा प्रदायिनी तथा प्रसन्नता देने वाली हो।

नीले रंग की पेंटिंग उत्तर दिशा की दीवार पर बेहतर मानी जाती है। हरे या उससे मिलते-जुलते रंग पूर्व दिशा की दीवार पर लगाने से घर में खुशहाली आती है। लाल या संतरी रंग दक्षिण दिशा में हो तो बेहतर रहता है। बच्चों के कमरे में पेंटिंग लगाते समय गुलाबी जामुनी या नीले रंग का प्रयोग करना चाहिए। लाल और सफेद रंग का प्रयोग कहीं भी किया जा सकता है।

नये जोड़े के कमरे में गुलाबी रंग की पेंटिंग बेहतर होगी। घर में रनिंग वॉटर जैसे फाउंटेन

और समुद्र की पेंटिंग डंइग रूम या लॉबी में कहीं भी लगाई जा सकती है लेकिन बेडरूम में इस तरह की पेंटिंग का प्रयोग करने से बचना चाहिए।

घर में सकारात्मक ऊर्जा के संचार में दिशाओं का महत्वपूर्ण योगदान होता है इसीलिए पेंटिंग लगाते समय दिशाओं का भी खास खयाल रखना चाहिए। पूरब की दिशा में उगते हुए सूरज की पेंटिंग लगाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इसी तरह धार्मिक चिह्न जैसे ओम या स्वस्तिक उत्तर-पूर्व कमरे की पूर्व दीवार पर हो तो काफी अच्छा रहता है। इससे घर में सुख और शान्ति आती है।

परिवार के सदस्यों की तस्वीर या पेंटिंग दक्षिण दिशा में होनी चाहिए। बच्चों की तस्वीर लैंडस्केप या हरे जंगल पश्चिम दिशा में हो तो इसका घर में सकारात्मक असर पड़ता है। नवविवाहित जोड़े की पेंटिंग कमरे की दक्षिण दिशा में लगानी चाहिए।

पेंटिंग न केवल घर में सकारात्मक परिवेश और ऊर्जा प्रदान करती है बल्कि यह समृद्धि का कारक भी है। घर में सही पेंटिंग लगाने से व्यापार को बढ़ावा मिलता है। कमरे की दक्षिण दीवार पर मैप लगाने से व्यापार में वृद्धि होती है। अगर कोई व्यक्ति भारत में व्यापार करता है तो उसे भारत का मैप लगाना चाहिए। अगर किसी का व्यापार विदेशों तक फैला है तो उसे विश्व का मैप लगाना चाहिए।

उड़ते हुए पक्षियों की तस्वीर आपके आर्थिक पक्ष को सुदृढ़ करती है। उगता हुआ सूरज सौभाग्य लेकर आता है लेकिन पेंटिंग का गलत चयन आपके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव भी डाल सकता है। घर में किसी को दिल संबंधी बीमारी है या कोई व्यक्ति डिप्रेशन का मरीज है तो घर में लाल रंग की पेंटिंग नहीं लगानी चाहिए। हरा रंग आपके स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है।

घर में ऐसी पेंटिंग का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए जिसे देखने से दुख का आभास होता हो। ऐसी पेंटिंग घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार करती हैं। पेंटिंग के फायदे हैं लेकिन इस संबंध में कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। भूतहा मकान खंडहर तालाब कुएँ हथियार अस्त्र-शस्त्र रुके हुए पानी गहरे कष्टकारक रंग आँखों को चुभने वाले रंगों की पेंटिंग पशुओं या लड़ाई की तस्वीरें घर में कभी भी नहीं लगानी चाहिए। इससे कई प्रकार के रोग और परेशानियां आ सकती हैं। इसका हमारे स्वभाव पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है।

यस बैंक ने 48000 करोड़ का फंसा कर्ज जेसी फ्लॉवर्स को सौंपा

नई दिल्ली । यस बैंक ने 48000 करोड़ रुपए के अपने फंसे हुए कर्ज को कर्ज पुनर्गठन कंपनी जेसी फ्लॉवर्स एसेट रिकंस्ट्रक्शन को सौंप दिया है। बैंक ने शेयर बाजारों को दी गई सूचना में कहा कि तनावग्रस्त कर्ज के रूप में चिह्नित 48000 करोड़ रुपए के ऋण पोर्टफोलियो को जेसी फ्लॉवर्स को सौंपने का काम पूरा कर लिया गया है। इस दौरान एक अप्रैल से 30 नवंबर तक हुई कर्ज वसूली का समायोजन भी कर दिया गया है। यस बैंक ने अपने चिह्नित तनावग्रस्त कर्ज को जेसी फ्लॉवर्स एआरसी को सौंपने की घोषणा पहले ही कर दी थी। इस तरह बैंक अपने पोर्टफोलियो में फंसे हुए कर्ज का आकार कम कर अपनी वित्तीय स्थिति सुधारना चाहता है। कुछ साल पहले फंसे हुए कर्ज का आकार बढ़ने से यस बैंक की वित्तीय स्थिति बिगड़ गई थी लेकिन हाल में उसने अपने कर्ज पोर्टफोलियो को दुरूस्त करने के लिए कई कदम उठाए हैं।

एलिन इलेक्ट्रॉनिक्स का आईपीओ 20 को खुलेगा

अहमदाबाद । भारत में लाइट पंखे और छोटे रसोई उपकरणों के प्रमुख ब्रांडों के लिए एंड-टू-एंड उत्पाद समाधान देने वाला अग्रणी इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सेवा (ईएमएस) प्रदाता और भारत में सबसे बड़े आंशिक हॉर्सपावर मोटर्स निर्माताओं में से एक एलिन इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड का प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव (आईपीओ) 20 दिसंबर को खुलेगा। कंपनी की ओर से यहां जारी एक बयान में कहा गया है कि एलिन इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने अपने पहले सार्वजनिक प्रस्ताव के लिए प्रति इक्विटी शेयर मूल्य बैंड़ 234 से 247 रुपए निर्धारित किया है। कंपनी का आरंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव निवेश के लिए मंगलवार 20 दिसंबर को खुलेगा और गुरुवार 22 दिसंबर को बंद होगा। निवेशक न्यूनतम 60 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 60 इक्विटी शेयरों के गुणकों में आवेदन कर सकते है। पांच रुपए प्रति इक्विटी शेयर के अंकित मूल्य वाले सार्वजनिक निर्गम में 175 करोड़ रुपए तक का ताजा निर्गम और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 300 करोड़ रुप तक के शेयरों की बिक्री का प्रस्ताव है।

वीवो नया फोल्डेबल स्मार्टफोन जल्द हो सकता है लॉन्च

नई दिल्ली । (एजेंसी)

कंपनी एक नए फोल्डेबल फोन यानी वीवो एक्स फलीप को लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। मीडिया के हवाले से मिली जानकारी के अनुसार यह कहा जा रहा है कि ये फोन क्वालकॉम् स्नेपड्रेगन 8+ जेन1 के साथ आ सकता है। फिलहाल डिजाइन को लेकर कुछ भी नहीं कहा गया है लेकिन कयास लगाए जा रहे हैं कि फोन को डिजाइन सैमसंग गैलेक्सी झेड फलीप लाइनअप जैसा हो सकता है। यानी इस हैंडसेट में क्लैमशेल हो सकता है।फिलहाल वीवो एक्स फलीप के मॉनिकर और चिपसेट डिटेल्स ही सामने आई है।लेकिन जल्द ही इस फोन के बारे में और भी डिटेल्स सामने आ सकती हैं।संभवना ये है कि वीवो एक्स फलीप को सबसे पहले चीन में ही लॉन्च कर दिया जाए।इस प्रोसेसर के साथ 12जीबी रैम और 512जीबी स्टोरेज दिया गया था। फोटोग्राफी के लिए इसमें 50एमपी प्राइमरी कैमरा 48 एमपी अल्ट्रा-वाइड एंगल कैमरा 12एमपी टेलीफोटो कैमरा और 8एमपी पेरिस्कोप कैमरा दिया गया है। सेल्फी के लिए इस फोन में 16एमपी कैमरा मिलता है।इस फोन की बैटरी 4730एमएएच की है और यहां 80डब्ल्यू फास्ट चार्जिंग सपोर्ट दिया गया है।कनेक्टिविटी के लिए इसमें 5जी 4जी एलटीई वायफाय ब्ल्यूटूथजीपीएस और यूएसबी टाइप सी चार्जिंग सपोर्ट मिलता है।इस स्मार्टफोन में 6.53-इंच आउटर डिस्प्ले और 120एचझेड रिफ्रेश रेट के साथ 8-इंच फोल्डेबल अल्ट्रा-थिन ग्लास एलटीपीओ डिस्प्ले दिया गया है। वीवो एक्स पफोल्ड + को इस साल सितंबर में क्वालकॉम स्नेपड्रेगन8+ जेन 1 प्रोसेसर के साथ उतारा गया था।

कल्याणकारी योजनाओं के लिए पर्याप्त खाद्यान्न भंडार मौजूद: सरकार

- 1 जनवरी 2023 तक लगभग 159 लाख टन गेहूं और 104 लाख टन चावल उपलब्ध रहेगा

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

देश में गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों के लिए राहत की खबर आई है। केंद्र सरकार ने कहा कि खाद्य सुरक्षा कानून और अन्य कल्याणकारी योजनाओं की जरूरतों को पूरा करने के लिए उसके पास पर्याप्त खाद्यान्न भंडार है। इसके साथ ही सरकार आवश्यक वस्तुओं की कीमतों की नियमित निगरानी भी कर रही है। एक सरकारी बयान के मुताबिक भारत सरकार के पास खाद्य सुरक्षा अधिनियम और अपनी अन्य कल्याणकारी योजनाओं के साथ-साथ प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के लिए अतिरिक्त आवंटन की जरूरतों को पूरा करने के लिए केंद्रीय पूल में पर्याप्त खाद्यान्न भंडार मौजूद है। इस बयान के मुताबिक 1 जनवरी 2023 तक लगभग 159 लाख टन गेहूं और 104 लाख टन चावल उपलब्ध रहेगा जो बफर मानकों से कहीं ज्यादा है। बफर मानकों के तहत एक जनवरी को 138 लाख टन गेहूं और 76 लाख टन चावल रखने की ही जरूरत थी। केंद्रीय खाद्यान्न पूल में 15 दिसंबर तक करीब 180 लाख टन गेहूं और 111 लाख टन चावल उपलब्ध था। एक अप्रैल एक जुलाई एक अक्टूबर और एक जनवरी को वर्ष की विशेष तिथियों के लिए बफर मानदंडों की आवश्यकता की परिकल्पना की गई है। मंत्रालय ने कहा कि केंद्रीय पूल के तहत गेहूं और चावल के भंडार की स्थिति हमेशा बफर मानदंडों से काफी ऊपर रही है। केंद्रीय पूल में एक अक्टूबर 2022 को लगभग 227 लाख टन गेहूं और 205 लाख टन चावल उपलब्ध थे जबकि एक अक्टूबर को 205 लाख टन गेहूं और 103 लाख टन चावल ही बफर मानदंड के तहत होने की आवश्यकता थी। केंद्रीय पूल में पर्याप्त गेहूं का स्टॉक सुनिश्चित करने के लिए एनएफएसए के साथ पीएमजीकेएवाई के तहत किए गए आवंटन को भी चावल के पक्ष में संशोधित किया गया है। पीएमजीकेएवाई के तहत केंद्र सरकार एनएफएसए के दायरे में आने वाले लगभग 80 करोड़ लोगों को प्रति माह पांच किलोग्राम खाद्यान्न मुफ्त देती है। केंद्र सरकार ने इस साल गेहूं की फसल का एमएसपी बढ़ाकर 2125 रुपए प्रति क्विंटल कर दिया है जो पिछले साल रबी विपणन सत्र में 2015 रुपए प्रति क्विंटल था।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 564.अरब डॉलर पर

मुंबई ।

विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि में बढ़ोतरी होने से देश का विदेशी मुद्रा भंडार 09 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में 2.91 अरब डॉलर बढ़कर 564.1 अरब डॉलर पर पहुंच गया जबकि इसके पिछले सप्ताह यह 11.02 अरब डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 561.2 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार 09 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 3.14 अरब डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 500.1 अरब डॉलर हो गई। वहीं इस अवधि में स्वर्ण भंडार में 2.96 करोड़ डॉलर की कमी आई और यह घटकर 40.73 अरब डॉलर रह गया। आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में 6.1 करोड़ डॉलर की तेजी आई और यह बढ़कर 18.12 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसी तरह इस अवधि में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि 20 लाख डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 5.1 अरब डॉलर हो गई।

कर कोष में 18 फ़ीसदी योगदान उपकरों का

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार के शुद्ध राजस्व प्राप्ति में वर्ष 2021 में कुल राजस्व का 18.2 फ़ीसदी का हिस्सा उप करों से प्राप्त होता है। 2014 में उपकर से केंद्र सरकार को 7.3 फ़ीसदी राजस्व प्राप्त होता था। जो 2021 के वित्त वर्ष में बढ़कर 18.2 फ़ीसदी हो गया है। संसद के शीतकालीन सत्र में पूछे गए एक प्रश्न के जवाब में वित्त मंत्रालय ने जो जानकारी दी है। उसके अनुसार उपकर के रूप में वर्ष 2014 में सरकार को 73880 करोड़ रुपए प्राप्त हुए। इसी वित्तीय वर्ष में 10.14 लाख करोड़ रुपए के कुल राजस्व की प्राप्ति हुई थी। वित्त वर्ष 2021 में उपकर की जमा राशि बढ़कर 296884 करोड़ रुपए हो गई। इसमें वस्तु एवं सेवा कर मुआवजा उपकर की राशि शामिल नहीं है। इसी वित्तीय वर्ष में 16।33 लाख करोड़ रुपए के कुल राजस्व की प्राप्ति केंद्र सरकार को हुई। व्यक्तिगत करदाताओं के लिए उपकर अतिरिक्त नियमित करों की तरह होते हैं। केंद्र सरकार जो उपकर की राशि वसूल करती है। केंद्र सरकार उसका हिस्सा राज्यों को नहीं देती है। उपकर की राशि केंद्रीय कोष में ही जमा रहती है। राज्य सरकारें केंद्र से उपकर में वसूल की गई राशि का हिस्सा भी मांग रही हैं। जिसे केंद्र सरकार द्वारा अभी तक स्वीकार नहीं किया गया है। 2014 की तुलना में उपकर की राशि कुल राजस्व के 7.3 फ़ीसदी से बढ़कर अब 18.2 फ़ीसदी हो गई है। राज्यों की आर्थिक स्थिति भी ठीक नहीं है। अतः राज्यों का केंद्र सरकार के ऊपर उपकर में वसूल की गई राशि देने का दबाव बढ़ता ही जा रहा है। 14वें वित्त आयोग ने यह सिफारिश की थी कि उपकर से एकत्रित राजस्व को विभाज्य पूल के तहत रखने के लिए एक संवैधानिक संशोधन लाया जाए। लेकिन इस अनुशंसा पर अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

इस सप्ताह वैश्विक रुख पर रहेगी शेयर बाजार की नजर

कच्चे तेल में उतार-चढ़ाव और डॉलर सूचकांक भी बाजार की दिशा निर्धारित करने वाले महत्वपूर्ण कारक होंगे

मुंबई ।(एजेंसी)

दुनिया भर में ब्याज की दरें ऊंची रहने से सहमे निवेशकों की बिकवाली से बीते सप्ताह 1.36 प्रतिशत तक टूटे घरेलू शेयर बाजार पर इस सप्ताह वैश्विक आर्थिक गतिविधियों और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के रुख का असर रहेगा। बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 843.86 अंक अर्थात 1.36 प्रतिशत लुढ़ककर सप्ताहांत पर 62 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 61337.81 अंक पर आ गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी 227.6 अंक गिरकर 18500 अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे 18269 अंक रह गया। विश्लेषकों के अनुसार बीते सप्ताह अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत दरों में बढ़ोतरी के ठीक एक दिन बाद यूरो क्षेत्र ब्रिटेन स्विटज़रलैंड डेनमार्क नॉर्वे मैक्सिको और ताइवान के केंद्रीय बैंक ने भी महंगाई पर लगाम लगाने का हवाला देते हुए गुरुवार को ब्याज दरें बढ़ा दी। साथ ही अगले साल भी ब्याज दरों में बढ़ोतरी की जाने के संकेत दिए। इससे दुनिया के शेयर बाजार एक महीने के निचले स्तर तक गिर गए। इसका असर दोनों स्थानीय मानक सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी पर पड़े तथा कमोबेश अगले सप्ताह भी इसका प्रभाव देखा जा सकेगा। इसके अलावा चीन से आने वाली खबरें कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और डॉलर सूचकांक अगले सप्ताह बाजार की दिशा निर्धारित करने वाले अन्य महत्वपूर्ण कारक होंगे। साथ विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के निवेश प्रवाह पर भी बाजार की नजर रहेगी। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि फेडरल रिजर्व ने तेजतर्रार रुख को बरकरार रखा जबकि निवेशक कुछ नरमी की उम्मीद कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रमुख घटनाक्रम की कमी के कारण इस सप्ताह घरेलू बाजार वैश्विक सूचकांकों का अनुसरण कर सकते हैं। इसके अलावा आगामी सर्दियों की छुट्टी के कारण संस्थागत निवेशकों की कम भागीदारी से बाजार में सुस्ती बनी रहेगी। एफआईआई ने दिसंबर में अब तक कुल 99241.74 करोड़ रुपए की लिवाली जबकि कुल 106731.79 करोड़ रुपए की बिकवाली की है। उन्होंने बाजार से 7490.05 करोड़ रुपए निकाल लिए। हालांकि इस अवधि में घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) की निवेश धारणा मजबूत रही है। उन्होंने बाजार में कुल 76371.13 करोड़ रुपए का निवेश किया जबकि 65819.51 करोड़ रुपए निकाल लिए जिससे वह 10551.62 करोड़ रुपए के लिवाल रहे।

साल 2023 में कई नई गाड़ियां होगी लॉन्च

-धांसू गाड़ियों की होगी एंट्री महिंद्रा और टाटा भी शामिल

नई दिल्ली । अगले साल 2023 में भारतीय बाजार में कई नई गाड़ियां लॉन्च होने वाली है। टोयोटा इनोवा हाई क्रॉस अगले साल अपनी एंट्री मारने वाली है। आपको बता दे मॉडल को 172बीएचपी 2.0 एल स्वाभाविक रूप से एस्पिरेटेड पेट्रोल और 186बीएचपी 2.0एल मजबूत हाइब्रिड पावरट्रेन ऑप्शन के साथ पेश किया जाएगा। ये 7-सीटों या 8-सीटों के लेआउट के साथ आ सकती है। हाइब्रिड एमपीवी को अडास (एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंट सिस्टम) के टोयोटा सेफ्टी सेंस सूट के साथ पैक किया गया है।इसमें फीचर्स के तौर पर स्मार्टफोन कनेक्टिविटी के साथ 10.1 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम हवादार फ्रंट सीटें 9-स्पीकर जेबीएल ऑडियो सिस्टम दूसरी पंक्ति के यात्रियों के लिए पावर्ड लेग रेस्ट पैनोरमिक सनरूफ ड्यूल जोन क्लाइमेट कंट्रोल जैसी सुविधाएं दी गई है। महिद्रा एक्सयूवी 400 भारतीय बाजार में सबसे अधिक पसंद की जाने वाली कंपनी में से एक है। ये कंपनी की पहली इलेक्ट्रिक एसयूवी है। लीक हुए दस्तावेज के मुताबिक ईवी तीन वेरिएंट्स- बेस ईपी और ईएल में आएगी। इसके सभी वेरिएंट 39.4केडब्ल्यूएच बैटरी पैक और एक इलेक्ट्रिक मोटर (150बीएचपी / 310एनएम) द्वारा संचालित होते हैं। यह 8.3 सेकंड में 0 से 100 किमी प्रति घंटे की स्पीड पकड़ने में सक्षम है। महिंद्रा की नई एसयूवी फुल चार्ज पर 456 किमी की सर्टिफाइड रेंज देती है। इसमें आपको तीन ड्राइविंग मोड - फन फास्ट और फीयरलेस के साथ-साथ सेगमेंट-फर्स्ट सिंगल पेडल ड्राइव मोड - लाइवली मोड भी मिलता है। बीवायडी अटटो-3 भारतीय बाजार में इस इलेक्ट्रिक कार की कीमत 33.99 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। ये अगले साल लॉन्च होने वाली सबसे प्रमुख कारों में से एक है। बता दे इस कार की अब तक 1500 से अधिक की बुकिंग हो चुकी है। कंपनी ने ये दावा किया है कि इसकी डिलीवरी अगले साल जनवरी 2023 से शुरु हो जाएगी। यह 60 केडब्ल्यूएच बीवायडी ब्लेड बैटरी और एक स्थायी चुंबक इलेक्ट्रिक मोटर के साथ आती है। ये 201 बीएचपी की पीक पावर और 310 एनएम का टार्क जनरेट करती है। एट्टो 3 एक बार चार्ज करने पर 521 किमी की एआरएआई-प्रमाणित रेंज प्रदान करता है। यह 7.3 सेकंड में 0 से 100 किमी प्रति घंटे की स्पीड पकड़ लेती है। इसकी बैटरी को 50 मिनट में 80 फीसदी तक चार्ज हो सकती है।टाटा टियागो ईवी टाटा की ये एक इलेक्ट्रिक हैचबैक है। जनवरी में ये कार लोगों के लिए उपलब्ध हो जाएगी। कंपनी ने इसकी कीमतों की घोषणा पहले ही कर दी है। इसकी कीमत 8.49 लाख रुपये से शुरू होकर 11.79 लाख रुपये तक जाती है।

(मार्केट कैप) 10 प्रमुख कंपनियों में नौ का बाजार पूंजीकरण 1.22 लाख करोड़ घटा

नई दिल्ली।(एजेंसी)

पिछले सप्ताह शेयर बाजारों में गिरावट के बीच 10 प्रमुख कंपनियों में से नौ का बाजार पूंजीकरण संयुक्त रूप से 122092.9 करोड़ रुपए घट गया। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स सूचकांक 843.86 अंक या 1.36 फीसदी टूटा था। इस दौरान एचडीएफसी बैंक को छोड़कर शेष सभी नौ कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में गिरावट देखी गई। इनमें टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) इंफोसिस आईसीआईसीआई बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर शामिल हैं।रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 29767.66 करोड़ रुपए घटकर 1735405.81 करोड़ रुपए रह गया। टीसीएस को अपने बाजार मूल्यांकन में 19960.12 करोड़ रुपए की गिरावट का सामना करना पड़ा। आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 19722.3 करोड़ रुपए घटकर 629380.54 करोड़ रुपए और इंफोसिस का मूल्यांकन 19567.57 करोड़ रुपए घटकर 640617.19 करोड़ रुपए रह गया। समीक्षाधीन सप्ताह में हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 11935.92 करोड़ रुपए घटकर 627434.85 करोड़ रुपए और भारतीय स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 11735.86 करोड़ रुपए घटकर 538421.83 करोड़ रुपए रह गया। इसी तरह भारती एयरटेल अडानी एंटरप्राइजेज और एचडीएफसी के बाजार पूंजीकरण में भी गिरावट हुई।

गैलेक्सी एस23 सीरीज को अगले साल होगी लांच

- कई फीचर्स से लैस होगा डिवाइस

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

साउथकोरियाई कंपनी सैमसंग अपनी गैलेक्सी एस23 सीरीज को अगले साल में लॉन्च कर सकती है। इस बीच सीरीज के स्पेसिफकेशंस लीक हो गए हैं।इस सीरीज में कंपनी तीन स्मार्टफोन पेश करेगी जिसमें सैमसंग गैलेक्सी एस23 सैमसंग गैलेक्सी एस23 + और सैमसंग गैलेक्सी एस23 अल्ट्रा शामिल हैं। सीरीज के बेस मॉडल को थाई एनटीबीएस और इंडियन बीआईएस सर्टिफिकेशन वेबसाइट पर भी स्पॉट किया गया है। लीक से पता चलता है कि फोन भारत में भी आएगा। एक वेबसाइट के मुताबिक सैमसंग का यह अपकमिंग स्मार्टफोन 5जी डिवाइस होगा.बता दें कि एक सर्टिफिकेशन लिस्टिंग में फोन को जिस मॉडल नंबर के साथ स्पॉट किया गया है उसी मॉडल नंबर को बीआईएस सर्टिफिकेशन वेबसाइट पर लिस्ट किया गया है। एनबीटीसी लिस्टिंग में मॉडल नंबर के साथ फोन को गैलेक्सी एस23 नाम दिया गया है।इससे पता चलता है कि कंपनी सैमसंग गैलेक्सी एस23को जल्द ही भारत में लॉन्च कर सकती है.स्पेसिफिकेशन की बात करें तो सैमसंग के इस फोन में 6.1 इंच का एफएचडी+ अमोलेड डिस्प्ले दिया गया है।फोन का रिफ्रेश रेट 120एचझेड हो सकता है।स्मार्टफोन में लेटेस्ट स्नैपड्रेगन 8 जेन 2 प्रोसेसर मिल सकता है।फोन 8जीबी रैम + 128जीबी स्टोरेज और 256जीबी स्टोरेज वेरिएंट में उपलब्ध होगा।फोटोग्राफी के लिए स्मार्टफोन ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप मिलेगा।इसमें पीछे की तरफ 50एमपी का मेन कैमरा 12 एमपी का दूसरा और 10एमपी का तीसरा लेंस शामिल होने की उम्मीद है। वहीं फोन के फ्रंट में सेल्फी और वीडियो कॉलिंग के लिए 10एमपी कैमरा मिलेगा।इस स्मार्टफोन 3900एमएएच की बैटरी दी गई है।फिलहाल फोन के अन्य स्पेसिफिकेशंस की जानकारी नहीं मिल सकी है।कंपनी आने वाले समय में इनके बारे में और जानकारी शेयर कर सकती है। टिप्सटर मुकुल शर्मा ने अपने ऑफिशियल ट्विटर अकाउंट से ट्वीट करते हुए कहा है कि सैमसंग गैलेक्सी एस23 को एनबीटीसी सर्टिफिकेशन और इंडियन बीआईएस सर्टिफिकेशन मिल गया है।कंपनी इस को फोन जल्द लॉन्च करेगी।

प. बंगाल और यूपी में पेट्रोल महंगा

ब्रेंट क्रूड 79.04 और डब्ल्यूटीआई 74.29 डॉलर प्रति बैरल

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। ब्रेंट क्रूड 79.04 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं डब्ल्यूटीआई 74.29 डॉलर प्रति बैरल पर बिक रहा है। देश के कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव देखने को मिल रहा है। पश्चिम बंगाल में पेट्रोल की कीमत 0.44 रुपए बढ़कर 107.26 रुपए प्रति लीटर हो गई है। वहीं राज्य में डीजल 0.41 रुपए महंगा होकर 93.90 रुपए प्रति लीटर पर मिल रहा है। उत्तर प्रदेश में पेट्रोल 0.28 रुपए महंगा होकर 96.63 रुपए और डीजल 89.80 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा है। इसके अलावा पंजाब में पेट्रोल 0.28 रुपए बढ़कर 96.92 रुपए प्रति लीटर पर मिल रहा है। यहां डीजल की कीमत में 0.27 रुपए की बढ़ोतरी है और इसकी कीमत 87.26 रुपए प्रति लीटर है। इन राज्यों के अलावा हरियाणा तमिलनाडु व तेलंगाना में ईंधन के दाम में हल्की वृद्धि हुई है। महाराष्ट में पेट्रोल-डीजल सस्ता हुआ है। राज्य में पेट्रोल 0.90 रुपए सस्ता होकर 106.27 रुपए प्रति लीटर और डीजल 0.86 रुपए सस्ता होकर 92.80 रुपए प्रति लीटर पर बिक रहा है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर चेन्नाई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर नोएडा में पेट्रोल 96.65 रुपए और डीजल 89.82 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 108.12 रुपए और डीजल 94.86 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

अब छोटे विक्रेता भी आनलाइन माल बेच सकेंगे

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

देशभर के छोटे विक्रेता जो ई-कॉमर्स पोर्टल पर पंजीकृत नहीं हैं अब वे भी ऑनलाइन अपना माल बेच सकेंगे। कॉमर्स के माध्यम से अपना माल बेचने की अनुमति देने के जीएसटी काउन्सिल के निर्णय को एक बड़ा कदम बताते हुए कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की तारीफ करते हुए धन्यवाद दिया है। कैट ने कहा कि ये एक प्रगतिशील फैसला है जिसकी पिछले दो साल से अधिक समय से मांग की जा रही थी। कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया और राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि यह निर्णय छोटे व्यापारियों को ई-कॉमर्स के माध्यम से अपने व्यवसाय का विस्तार करने के लिए सशक्त बनाएगा और पीएम मोदी के डिजिटल इंडिया विजन को देशभर में मजबूती प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि देश में 8 करोड़ से अधिक छोटे व्यापारी हैं लेकिन बड़ी संख्या में व्यापारी जीएसटी पंजीकरण के बिना व्यावसायिक गतिविधियों का संचालन कर रहे हैं क्योंकि उनकी वार्षिक बिक्री जीएसटी सीमा से बेहद कम है। ऐसे व्यापारी अब ई-कॉमर्स पर व्यापार कर सकेंगे जो कि एक बहुत बड़ी बात है। भरतिया और खंडेलवाल दोनों ने कहा कि भारत तेजी से ई-कॉमर्स हब के रूप में उभर रहा है और ऑनलाइन कारोबार में जबरदस्त वृद्धि हो रही है। भारत में ई-कॉमर्स व्यवसाय अब कुल खुदरा का लगभग 10 फीसदी और वस्त्र और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे कुछ क्षेत्रों का लगभग 25-50 फीसदी है। ऐसे में ये जरूरी था कि छोटे वेंडर जिनका टर्नओवर छोटा है और जीएसटी के दायरे में नहीं आते हैं वे ऑनलाइन कारोबार करने में सक्षम नहीं थे जिससे बाजार और व्यापार के अवसरों का भारी नुकसान हो रहा था।

विंडोज बीटा पर कॉल अलर्ट बंद करने के लिए व्हाट्सऐप का नया फीचर आया

सैन फ्रांसिस्को।(एजेंसी)

मेटा-स्वामित्व वाले मैसेजिंग प्लेटफॉर्म व्हाट्सऐप ने एक नई सुविधा शुरू की है, जो यूजर्स को विंडोज बीटा पर कॉल के लिए डिसेबल नोटिफिकेशन की सुविधा देती है।डब्ल्यूए बीटा इंफो की रिपोर्ट के अनुसार, माइक्रोसॉफ्ट (ह्वस्र्तक्रस्र्स्ञ्र) स्टोर पर उपलब्ध विंडोज 2.2250.4.0 अपडेट के लिए व्हाट्सऐप बीटा इंस्टॉल करने के बाद व्हाट्सऐप कॉल के लिए नोटिफिकेशन को डिसेबल करने की एबिलिटी को बीटा टेस्टर्स के लिए रोल आउट कर दिया गया है। यूजर्स को यह पता लगाने के लिए कि क्या यह सुविधा उनके लिए उपलब्ध है, व्हाट्सऐप सेटिंग्स, नोटिफिकेशन खोलने की आवश्यकता है। यदि वे इस सुविधा के लिए टॉगल देखते हैं, तो वे इनकमिंग व्हाट्सऐप कॉल के लिए नोटिफिकेशन डिसेबल करना चुन सकते हैं। यह फीचर उपयोगी है, क्योंकि अनपेक्षित समस्या के कारण डू नॉट डिस्टर्ब मोड के एबिलिटी होने पर भी कॉल के लिए नोटिफिकेशन दिखाई दे सकती हैं, इसलिए अब यूजर्स उन नोटिफिकेशन को डिसेबल कर मैन्युअल रूप से इस बग को ठीक कर सकते हैं। इस बीच, पिछले महीने मैसेजिंग प्लेटफॉर्म ने विंडोज बीटा पर कॉन्टैक्ट कार्ड शेयर करने के विकल्प को रोल आउट करना शुरू किया। फीचर ने यूजर्स को एक ही चैट शेयर शीट के भीतर कॉन्टेक्ट कार्ड शेयर करने की अनुमति दी।

ऋषि रणजी में 300 विकेट लेने वाले हिमाचल के पहले क्रिकेटर बने

शिमला । ऋषि धवन रणजी ट्रॉफी में 300 विकेट लेने वाले हिमाचल प्रदेश के पहले क्रिकेटर बने हैं। ऋषि ने लाहली क्रिकेट स्टेडियम में हरियाणा के खिलाफ हुए मैच में यह उपलब्धि हासिल की। धवन का यह रणजी में 76 वां मुकाबला था। ऋषि ने साल 2009-10 में तमिलनाडू के खिलाफ पदार्पण करते हुए पहला विकेट लिया था। इसके बाद से वह लगातार बेहतर प्रदर्शन करते आ रहे हैं। 31 साल के ऋषि ने 76 रणजी मुकाबलों में 21 बार पांच विकेट और दो बार दस विकेट लिए हैं। इसके साथ ही उनके नाम 3000 हजार रन भी हैं। साल 2013-14 के रणजी सीजन में उन्होंने सबसे अधिक 49 विकेट लिए थे। वह 300 विकेट लेने वाले देश के 39वें खिलाड़ी हैं। धवन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा 'यह काफी लंबी यात्रा थी और मेरे लिए यह काफी गर्व की बात है कि मैंने अपने प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया और 300 विकेट लेने वाला पहला खिलाड़ी बना हूं।' धवन ने साल 2016 में टीम इंडिया की ओर से पदार्पण किया था पर अब तक वह केवल 3 मैच ही खेल पाये हैं जिसमें उन्हें एक विकेट मिला था। टीम इंडिया के अलावा धवन आईपीएल में मुंबई इंडियन्स की टीम में शामिल रहे हैं।

टीम इंडिया ने पहले टेस्ट में बांग्लादेश को 188 रनों से हराया सीरीज में 1-0 की बढ़त मिली

कुलदीप बने प्लेयर ऑफ द मैच

नई दिल्ली

स्पिनर कुलदीप यादव के शानदार प्रदर्शन से टीम इंडिया ने अंतिम दिन मेजबान टीम बांग्लादेश को दूसरे पारी में 324 रनों पर समेट कर पहला क्रिकेट टेस्ट मैच 188 रनों से जीत लिया। इसी के साथ ही भारतीय टीम ने दो टेस्ट मैचों की इस सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में मेजबान बांग्लादेश टीम को जीत के लिए 513 रन का विशाल लक्ष्य मिला था जिसे हासिल करने में वह नाकाम रही। मैच के 5वें दिन बांग्लादेश ने दूसरी पारी में 6 विकेट पर 272 रन से आगे खेलना शुरू किया। मेजबान कप्तान शाकिब अल हसन ने 40 रनों से आगे खेलते हुए 84 रन बनाए पर वह शतक पूरा नहीं कर पाये। वहीं अन्य बल्लेबाज भी नाकाम रहे ओर पूरी टीम 113.2 ओवर में 324 रन ही बना पायी। इससे पहले चौथे दिन जाकिर हसन ने 100 जबकि नजमुल हुसैन शांतो ने 67 रन बनाकर टीम की हार टालने का पूरा प्रयास किया पर उनकी मेहनत बेकार गयी। इससे पहले भारतीय टीम ने पहली पारी में चेतेश्वर पुजारा और श्रेयस अय्यर की शानदार साझेदारी से 404 रन बनाए थे। वहीं कुलदीप और मोहम्मह सिराज की घातक गेंदबाजी के सामने बांग्लादेश टीम टिक नहीं पायी और 150 रनों पर ही आउट को गयी। इसके बाद भारतीय टीम ने फॉलोऑन ना देते हुए बांग्लादेश टीम को दूसरी पारी में बल्लेबाजी के लिए बुलाया। मेजबान टीम ने दूसरी पारी दो विकेट पर 258 रन बनाकर घोषित कर दी। भारत की ओर से शुभमन गिल और चेतेश्वर पुजारा ने शतक लगाये। इसे मैच में स्पिनर कुलदीप ने करीब दो साल बाद टेस्ट में वापसी करते हुए शानदार गेंदबाजी और बल्लेबाजी। कुलदीप ने पहली पारी में 40 रन देकर 5 विकेट लिए। पहली पारी में कुलदीप ने 40 रन बनाकर टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाने में सहायता भी की। वहीं दूसरी पारी में कुलदीप को 3 विकेट लिए। इस तरह से कुलदीप ने मैच में कुल 8 विकेट लिए। यह उनका किसी टेस्ट मैच में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन है। वहीं युवा स्पिनर अक्षर पटेल ने भी मैच में 5 विकेट लिए। अक्षर ने पहली पारी में एक जबकि दूसरी पारी में चार विकेट लिए। मैच में ऑलराउंड प्रदर्शन के लिए कुलदीप को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैम्पयनशिप तालिका में तीसरे नंबर पर पहुंच गयी है। इस जीत के साथ ही इस साल टीम को विदेशी धरती पर पहली टेस्ट जीत भी मिली है।

अभिषेक की टीम जयपुर पिंक पैंथर्स ने जीता प्रो कबड्डी लीग 9

मुंबई।

अभिषेक बच्चन के स्वामित्व वाली जयपुर पिंक पैंथर्स ने प्रो कबड्डी लीग के सीजन 9 की ट्रॉफी अपने नाम कर ली है। एक्टर ने टीम और ट्रॉफी के साथ कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। जयपुर पिंक पैंथर्स ने अपनी शुरूआत के 9 साल बाद फिर से लीग में जीत हासिल की। टीम, मैनेजमेंट और अपने परिवार के साथ तस्वीरें शेयर करते हुए अभिषेक ने लिखा- इस टीम पर बहुत गर्व है। उन्होंने चुपचाप इस कप के लिए कड़ी मेहनत की है। आलोचना के बावजूद, वे विश्वास करते रहे और काम करते रहे। हर किसी ने उन्हें खारिज कर दिया था, लेकिन उन्हें खुद पर भरोसा था। ऐसा करने का यही तरीका है। उन्होंने कहा- हमें इस कप को फिर से जीतने में 9 साल लग गए। और मैं इस टीम से बहुत खुश हूं। टीम वर्क, कड़ी मेहनत और दृढ़ संकल्प.. जयपुर पिंक पैंथर्स का तरीका। पोस्ट शेयर करने के बाद मशहूर हस्तियों समेत कई लोगों के कमेंट्स आने शुरु हो गए। रणवीर सिंह ने लिखा, शानदार जीत.. देखने में शानदार! बधाई! विक्की कौशल ने कमेंट किया, बधाई एबी! और कुणाल कपूर ने लिखा, आपको और पूरी टीम को बड़ा हग और बधाई। फिनाले में बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह, पूजा हेगड़े, जैकलीन फर्नांडीज, वरुण शर्मा और रोहित शेट्टी को अपनी आने वाली फिल्म सर्कस का प्रमोशन करते देखा गया। पोस्ट शेयर करने के बाद मशहूर हस्तियों समेत कई लोगों के कमेंट्स आने शुरु हो गए। रणवीर सिंह ने लिखा, शानदार जीत.. देखने में शानदार! बधाई! विक्की कौशल ने कमेंट किया, बधाई एबी! और कुणाल कपूर ने लिखा, आपको और पूरी टीम को बड़ा हग और बधाई।

मनु गन्दास ने जीता सत्र का छठा खिताब

गुरुग्राम के मनु गन्दास ने टाटा स्टील पीजीटीआई सत्र में अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखते हुए एक करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि वाला पहला एसएसपी चौरसिया आमंत्रण गोल्फ टूर्नामेंट जीत लिया। यह उनकी सत्र की छठी खिताबी जीत है। मनु (69-66-72-68) ने चार अंडर 68 का शानदार कार्ड खेला और उनका कुल स्कोर 13 अंडर 275 रहा। अनिर्बान लाहिड़ी और गगनजीत भुल्लर क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। मनु गन्दास को इस जीत से 15,00,000 रुपये की पुरस्कार राशि मिली और वह पीजीटीआई रैंकिंग में दूसरे से पहले स्थान पर पहुंच गए। उनकी सत्र की कुल कमाई 80,78,938 रुपये पहुंच चुकी है। अनिर्बान लाहिड़ी (71-65-71-70) का कुल स्कोर 11-अंडर 277 रहा जबकि गगनजीत भुल्लर (69-72-67-71) नौ-अंडर 279 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। मनु गन्दास को इस जीत से 15,00,000 रुपये की पुरस्कार राशि मिली और वह पीजीटीआई रैंकिंग में दूसरे से पहले स्थान पर पहुंच गए। उनकी सत्र की कुल कमाई 80,78,938 रुपये पहुंच चुकी है।

दक्षिण अफ्रीका को हराकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बनाने के करीब ऑस्ट्रेलिया

दुबई।

ऑस्ट्रेलिया ने इस सीजन में टेस्ट मैचों में घर में अपनी ना हारने के सिलसिले को बरकरार रखा है। रविवार को ब्रिस्बेन में दक्षिण अफ्रीका पर शानदार छह विकेट की निर्णायक जीत के साथ अगले साल होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में जगह बनाने के करीब पहुंच गया है। आईसीसी ने एक बयान में कहा कि इस जीत से ऑस्ट्रेलिया विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप तालिका के शीर्ष पर आगे बढ़ गया है, जबकि भारत दक्षिण अफ्रीका से आगे दूसरे स्थान पर पहुंच गया है, जबकि दक्षिण अफ्रीका तीसरे स्थान पर आ गया है। ऑस्ट्रेलिया अब 76.92 जीत प्रतिशत रखता है, भारत (55.77) अब दक्षिण अफ्रीका (54.55) से आगे है। भारत ने चटगांव में बांग्लादेश पर 188 रन की जीत के बाद दूसरे स्थान पर लंबी छलांग लगाई है। ऑस्ट्रेलिया के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण के सामने टेस्ट मैच दो दिनों से भी कम समय में खत्म हो गया। गाबा की पिच से गेंदबाजों को मदद मिलने के साथ ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को कभी भी मैच में मजबूत पकड़ बनाने नहीं दिया। कप्तान पैट कमिंस (5/42) और स्कॉट बोलैंड (2/14) ने रविवार को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया, जबकि मिचेल स्टार्क (2/26) ने दिन की शुरूआत में अपना 300वां टेस्ट विकेट चटकाया, जिससे दूसरी पारी में दक्षिण अफ्रीका सिर्फ 99 रन पर ढेर हो गया और मैच हार गया। दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खेमे में कुछ चिंता पैदा की, जब उन्होंने चार विकेट ले लिए थे। मेजबानों ने जीत के लिए आवश्यक 34 रनों का पीछा किया, जिसमें मारनस लेबुस्चगने (5) और कैमरन ग्रीन (0) ने टीम का मार्गदर्शन किया। ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की श्रृंखला के शुरूआती मैच में जीत हासिल की। द ओवल में अगले साल होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल तक पहुंचने के लिए अभी भी मौके बने हुए हैं। दक्षिण अफ्रीका के पास ऑस्ट्रेलिया में शेष दो टेस्ट मैचों में जीत के साथ दूसरा स्थान हासिल करने

का मौका है। बांग्लादेश पर जीत के बाद भारत ने विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप तालिका में बढ़त हासिल की है। द ओवल में अगले साल होने वाले विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल तक पहुंचने के लिए अभी भी मौके बने हुए हैं। दक्षिण अफ्रीका के पास ऑस्ट्रेलिया में शेष दो टेस्ट मैचों में जीत के साथ दूसरा स्थान हासिल करने का मौका है। ऑस्ट्रेलिया इस सीजन में घर में वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जीते गए तीन टेस्ट मैचों से आगे बढ़ने की कोशिश करेगा, फरवरी और मार्च में चार टेस्ट मैचों के लिए भारत की एक कठिन यात्रा के साथ यह तय करने की संभावना है कि विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिए दो स्थानों का दावा कौन करेगा।

संक्षिप्त समाचार

भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंची

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम मेजबान बांग्लादेश के खिलाफ पहले ही क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत के साथ ही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है। भारतीय टीम ने बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 की जीत के साथ ही बढ़त हासिल कर ली है। इस बढ़त के बाद अब टीम इंडिया विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है। भारतीय टीम ने इस साल कुल 13 टेस्ट मैच खेलने के बाद 7 में जीत दर्ज की पर 4 में उसे हार झेलनी पड़ी। वहीं टीम इंडिया के दो मुकाबले ड्रॉ रहे। भारतीय टीम केइस समय विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक तालिका में 87 अंक हैं। उसकी जीत का प्रतिशत 55.77 है। अंक तलिका में इस समय ऑस्ट्रेलिया की टीम पहले स्थान पर थी। उसने अब तक भारत के बराबर 13 टेस्ट खेलने के बाद 9 में जीत हासिल किया है जबकि केवल 1 मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा है। उसकी जीत का प्रतिशत 76.92 है और वह शीर्ष पर बनी हुई है। वहीं दक्षिण अफ्रीका की टीम ने अब तक 11 टेस्ट खेलने के बाद 6 में जीत जबकि 5 में हार का सामना किया है। टीम की जीत का फीसदी 54.55 है और वह टेबल पर तीसरे स्थान पर आ गयी है जबकि शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका दूसरे और भारतीय टीम चौथे स्थान पर थी।

दूसरे टेस्ट में रोहित के खेलने की जानकारी एक दो दिन में मिलेगी- राहुल

चटगांव । भारतीय क्रिकेट टीम के कार्यवाहक कप्तान लोकेश राहुल ने कहा है कि बांग्लादेश के खिलाफ मीरपुर में 22 दिसंबर से शुरू हो रहे दूसरे क्रिकेट टेस्ट में नियमित कप्तान रोहित शर्मा के खेलने की जानकारी एक दो दिन में मिलेगी। रोहित बांग्लादेश के खिलाफ एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय सीरीज के दूसरे मैच में अंगूठे में चोट लगने के बाद से ही टीम से बाहर हो गये थे। रोहित इसके बाद उपचार के लिए स्वदेश लौटे गये थे। ऐसे में टीम में उनकी जगह पर अभिमन्यु ईश्वरन को शामिल किया गया था। राहुल ने कहा ''रोहित की उपलब्धता को लेकर हमें एक या दो दिन में जानकारी मिलेगी।यहां तक कि मुझे भी अभी उनके खेलने को लेकर कुछ पता नहीं है।'' राहुल ने बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट में मिली जीत को संपूर्ण प्रदर्शन करार देते हुए कहा कि टीम ने सभी विभागों में अच्छा प्रदर्शन किया और वह एक इकाई के तौर पर खेली। उन्होंने कहा ''सब कुछ शानदार रहा। हमने वास्तव में अच्छी बल्लेबाजी और गेंदबाजी की। इसके साथ ही क्षेत्ररक्षण में भी हमने अधिकतर कैच लिए। साथ ही कहा कि इसी प्रकार आप टेस्ट मैच जीतते हैं।''

जब विपक्षी टीम बेहतर खेलती, उसका सम्मान करना चाहिए : राहुल

चटोग्राम।

चटगांव में बांग्लादेश के खिलाफ भारत ने 188 रन से जीत दर्ज की, लेकिन केएल राहुल की अगुवाई वाली टीम को चीजों को हासिल करने के लिए कितनी मेहनत करनी पड़ी। पहले दिन अपनी पहली पारी में, भारत 48/3 पर हो गया था, इससे पहले चेतेश्वर पुजारा, श्रेयस अय्यर, रविचंद्रन अश्विन और कुलदीप यादव ने बल्ले से अहम योगदान देकर पहली पारी का स्कोर 404 तक पहुंचाया। फिर 513 रनों का बचाव करने के लिए, उन्हें सफलता हासिल करने से पहले 46 ओवरों तक कड़ी मेहनत करनी पड़ी और आखिरकार, बांग्लादेश को पांचवें दिन 324 रनों पर ऑलआउट किया। इस जीत के साथ, भारत ने लगातार दूसरी बार विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा, यह टेस्ट क्रिकेट है। आपको कभी भी ऐसी जीत नहीं मिलने वाली है जो आसान होगी। हम यह जानते थे और यह समझने के लिए पर्याप्त टेस्ट क्रिकेट खेल चुके हैं कि ऐसे चरण होंगे जहां विरोधी टीम अच्छा खेलेगी। हमें इसका सम्मान करने की आवश्यकता है। मुझे इस बात पर बहुत गर्व है कि पूरे टेस्ट मैच के दौरान, सभी खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया। राहुल ने कहा, हमने कुछ समय के लिए एक टीम के रूप में टेस्ट क्रिकेट नहीं खेलने के बाद पांच दिनों के दौरान, एक टीम के रूप में बड़ी प्रतिबद्धता दिखाई है। टेस्ट मैच में थोड़ी चिंता आ रही थी कि कैसे प्रतिक्रिया देंगे और हम कैसे खेल पाएंगे। इतने लंबे समय तक मैदान में अच्छा करना जरूरी था। लेकिन हमने बहुत अच्छा किया और यह बहुत ही सुखद है। चटगांव में टेस्ट जीत का मतलब है कि भारत ने वनडे सीरीज 2-1 से हारने के बाद दौरे के लंबे प्रारूप वाले चरण की अच्छी शुरूआत

की है। इसके अलावा, उनके साथ जुलाई में एजबेस्टन में इंग्लैंड से हारने के बाद एक टेस्ट खेलने का मतलब था कि चटगांव में भारत कैसा प्रदर्शन करेगा, इस पर संदेह था। लेकिन अब जीत को देखते हुए इन सभी पर विराम लगा दिया गया है।

सहवाग वॉन ने ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका मैच दो दिन में खत्म होने पर सवाल उठाये

गाबा । ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच गाबा टेस्ट दो दिन में ही समाप्त होने से क्रिकेट विशेषज्ञ हैरान हैं और उन्होंने गाबा की पिच पर ही सवाल उठा दिये हैं। भारतीय टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने भी पिच को लेकर नाराजगी व्यक्त की है। सहवाग ने ट्वीट किया 142 ओवर और 2 दिन भी नहीं चला ये टेस्ट। वहीं अगर ऐसा भारत में हुआ होता तो इसे टेस्ट क्रिकेट का अंत टेस्ट क्रिकेट को बर्बाद करने और न जाने क्या-क्या कहा जाता। सहवाग के अलावा इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी कहा है कि दो दिन में टेस्ट समाप्त होना कहीं से भी सही नहीं कहा जा सकता। उन्होंने ट्वीट किया 'गाबा के विकेट पर इतनी घास क्यों छोड़ी गई थी जबकि गाबा का विकेट टेस्ट क्रिकेट के लिहाज से विश्व में सबसे बेहतर माना जाता है। फिर क्यों इसमें बदलाव किया गया। यह समझ से परे है।'

तकनीक का सहारा लेने से फुटबॉल में आया बदलाव : एंडरसन

दोहा ।

फुटबॉल पर शोध करने वाले लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के क्रिस्टोफर जे एंडरसन ने कहा है कि जिस प्रकार मोरक्को सऊदी अरब जैसी टीमों ने विश्वकप में अपने प्रदर्शन से सबको हैरान करते हुए उलटफेर किये हैं। वैसा आगे भी देखने को मिलेगा क्योंकि अब टीमें खेल में तकनीक का सहारा दे रही हैं। उन्होंने कहा कि फुटबॉल पर शोध से वह यह जानने का प्रयास करते हैं कि टीम किस प्रकार जीत सकेगी। या किस प्रकार के कारकों का इसपर प्रभाव पड़ता है। इसी के तहत खेल के मैदान पर जो कुछ भी होता है अब वह रिकॉर्ड किया जाता है। इसी डेटा का विश्लेषण करने के बाद परिणाम मिलता है। एंडरसन ने फुटबॉल पर एक किताब 'द नंबर्स गेम' भी लिखी है। इसमें उन्होंने फुटबॉल में गोल को लेकर जानकारी दी है। इसमें बताया गया है कि फुटबॉल अब नया खेल बन गया है। अब पहले से कम गोल हो रहे हैं जबकि 40 साल पहले ऐसा नहीं था। इसी कारण कई मैचों में परिणाम हासिल करने के लिए पेनल्टी शूट-आऊट को सरारा लिया जा रहा है। इन हालातों में एक गोल भी अहम हो जाता है। उन्होंने ये भी कहा कि विश्व कप अन्य टूर्नामेंटों से अलग है। फीफा विश्व कप हर 4 साल में एक बार प्रसारित होने वाला उपहार है जो सामान्य दर्शकों और फुटबॉल प्रशंसकों दोनों को अपनी ओर आकर्षित करता है। यह ओलिम्पिक के समान ही है। साथ ही कहा कि एक समय फुटबॉल पर दक्षिण अमरीका और पश्चिमी यूरोप हावी रहते थे पर अब बाकी देश उच्च स्तरीय फुटबॉल तकनीक इस्तेमाल कर आगे बढ़ रहे हैं। इससे अब फुटबॉल क्लब वैश्विक स्तर पर प्रतिभाओं की खोज करने के लिए उन स्थानों पर जाएंगे जहां वह परंपरागत रूप से नहीं जाते थे। उनके नए खिलाडियों का एक पूरा समूह राष्ट्रीय टीमों में वापस आ जाएगा। इसके कारण विश्व कप और भी अहम हो जाएगा। पिछले कुछ समय में लोगों में खेल देखने का रुझान भी बढ़ा है। अब लोग तकनीक का सहारा लेकर लाइव गेम देखते हैं। टीमें अब व्यक्तिगत खिलाड़ियों का प्रदर्शन देखकर उन्हें शामिल करती हैं।

आईएलएल : चेन्नईयन की टीम केरल ब्लास्टर्स से भिड़ने को तैयार

चेन्नई।

पिछले मैच में शानदार जीत के बाद आत्मविश्वास से भरपूर चेन्नईयन एफसी सोमवार को यहां जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 2022-23 हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में केरल ब्लास्टर्स एफसी से भिड़ेगी। अब्देनासेर अल खायाती की सनसनीखेज हैट्रिक और पेटार स्लीस्कोविक के दो गोलों की मदद से चेन्नईयन ने पिछले हफ्ते नॉर्थईस्ट युनाइटेड एफसी को 7-3 से हराया था। चेन्नईयन के मुख्य कोच थॉमस ब्रेडरिक ने बताया, बेशक, आखिरी मैच ने हमें बहुत आत्मविश्वास, दिखाया, लेकिन हम आगे क्या कर सकते हैं और हम कैसे सुधार कर सकते हैं, इस पर विचार करना होगा। हमारा ध्यान अब कल के मैच पर है। टीम अच्छी स्थिति में है और बहुत अच्छा माहौल है। दक्षिणी डर्बी में हाई प्रेशर मैचों ने हमेशा प्रशंसकों का ध्यान आकर्षित किया है। एक हेड टू हेड के रिकॉर्ड में भी यही दर्शाता है कि चेन्नईयन ने केरला ब्लास्टर्स के खिलाफ अब तक खेले गए 18 मैचों में से छह जीते हैं। चेन्नईयन के मिडफील्डर एडविन सिडनी वंसपॉल ने कहा कि खिलाड़ी डर्बी मैचों में बेहतरीन माहौल का भी आनंद लेते हैं। उन्होंने कहा, हम वास्तव में इस प्रकार के मैच खेलना पसंद करते हैं, क्योंकि अन्य मैचों की तुलना में माहौल अधिक रोमांचक होता है, जिसमें बड़ी संख्या में प्रशंसक आते हैं। खिलाड़ी प्रेरित होते हैं, और हम सभी एक-दूसरे पर विश्वास करते हैं। हम कोशिश करेंगे और कल अपना सर्वश्रेष्ठ दें। पिछले मैच में अपनी मैच विजेता वीरता के अलावा, एल खायाती ने एक आईएसएल मैच में सबसे अधिक योगदान के लिए तीन गोल और दो बार सहायता करके एक नया लीग रिकॉर्ड भी बनाया। डच मिडफील्डर अब छह मैचों में सात गोल के साथ सीजन का प्रमुख स्कोरर है। क्रोएशियाई स्ट्राइकर स्लीस्कोविक दो बार के चैंपियन के लिए लीग में पांच गोल के साथ इन-फॉर्म खिलाड़ी है। ब्रदरिक ने एल. खायाती की उनके योगदान के लिए प्रशंसा की लेकिन कहा कि उनकी टीम सिर्फ एक खिलाड़ी पर निर्भर नहीं है। हां, खायाती बहुत अच्छे फॉर्म में हैं। निश्चित रूप से, हमें ऐसे खिलाड़ियों की जरूरत है, जो अच्छा खेल दिखाए और मुझे खुशी है कि हम उन्हें अपनी टीम में रखते हैं, लेकिन हमारे सभी 11 खिलाड़ी बचाव और गोल करने के लिए सक्षम हैं। पिछले मैच में अपनी मैच विजेता वीरता के अलावा, एल खायाती ने एक आईएसएल मैच में सबसे अधिक योगदान के लिए तीन गोल और दो बार सहायता करके एक नया लीग रिकॉर्ड भी बनाया। डच मिडफील्डर अब छह मैचों में सात गोल के साथ सीजन का प्रमुख स्कोरर है।

एक ओवर में कम रन बनाने से हारे : हरमनप्रीत

मुंबई । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथा टी20 मैच हारने से निराश है। इसी के साथ ही पांच मैचों की टी20 सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम को 3-1 की अजेय बढ़त मिल गयी है। भारतीय टीम को इस मैच में केवल सात रनों के मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़ा। उसी को लेकर हरमनप्रीत ने कहा कि टीम अगर टीम ने एक ओवर में अच्छा स्कोर बनाया होता तो मैच का परिणाम कुछ और होता। हरमनप्रीत ने कहा कि हम पूरे मैच में जीत हासिल करने के काफी निकट थे। केवल एक मैच में रन नहीं बना पाने से हमें हार का सामना करना पड़ा। तीस गेंद में 46 रन की आक्रामक पारी खेलने वाली हरमनप्रीत ने कहा कि अगर मैं अंत तक खेल पाती तो परिणाम कुछ और होता। भारतीय महिला टीम को अंतिम तीन ओवर में जीत के लिए 41 रन चाहिए थे पर 18वें ओवर में टीम केवल 3 रन ही बना पायी। उन्होंने इसे टीम के लिए बड़ा नुकसानदेह करार देते हुए कहा कि 18वें ओवर में जब हमें सिर्फ तीन रन मिले तो इससे बड़ा अंतर पैदा हो गया। वहीं गेंदबाजी नहीं करने के बारे में पूछे जाने पर हरमनप्रीत ने कहा कि मैं एशिया कप में चोटिल हो गई थी उससे वापसी कर रही हूं। अभी सिर्फ बल्लेबाजी करना चाहती हूं मैं निश्चित रूप से जल्द ही गेंदबाजी करूंगी। वहीं ऑस्ट्रेलिया की कार्यवाहक कप्तान तहलिया मैकग्रा ने कहा कि मुझे अंतिम समय में कप्तानी दी गयी थी पर टीम के लिए गर्व की बात है कि एक मैच बाकी रहते हमने श्रृंखला जीत ली। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया महिला टीम ने 188 जबकि भारतीय टीम ने 181 रन बनाये थे।

अब शिक्षकों ने भी किया 'पठान' फिल्म का विरोध मुख्यमंत्री को पत्र लिख बैन करने की मांग

अहमदाबाद। बोलीवुड की एक और फिल्म रिलीज होने से पहले विवादों में आ गई है। शाहरुख और दीपिका पादुकोण अभिनीत फिल्म 'पठान' का एक गाना रिलीज होने के बाद से गुजरात समेत देशभर में इसका कड़ा विरोध किया जा रहा है। अब शिक्षक भी इस फिल्म के विरोध में उतर आए हैं और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल और गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी को पत्र लिखकर फिल्म के रिलीज पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। राष्ट्रीय शिक्षक महासंघ ने मुख्यमंत्री और गृह राज्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा है आगामी 25 जनवरी 2023 को बोलीवुड की फिल्म 'पठान' रिलीज होनेवाली है। सोशल मीडिया और अन्य माध्यम पर प्रसारित टीजर और फिल्म गीत देख उसमें दर्शाई गई अश्लीलता से भरपूर दृश्य समाज के प्रत्येक वर्ग की भावनाओं को आहत करे ऐसा रंग के कपड़े इत्यादि भारत के विद्यार्थियों के मानस और समाज पर विपरीत असर करते हैं। भारतीय संस्कृति के अनुसार भरतमुनि नाट्य शास्त्र रचयिता हैं। विभिन्न रंग और नव रस द्वारा मनोरंजन हमारी सांस्कृतिक पहचान है। सकारात्मकता फैलाते रंग और रस को प्राथमिकता देकर संस्कृति का जतन करने का काम फिल्म निर्माताओं का है। भारत सरकार 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' का अमलीकरण कर शिक्षा के समन्वय द्वारा भारतीय संस्कृति का जतन करना चाहती है। उच्च श्रेणी के लेखक फिल्म निर्माता सामाजिक संस्था शिक्षा संस्था और शिक्षक समाज जब विभिन्न प्रकार के माध्यमों से संस्कार सिंचन के लिए दिन रात एक कर रहे हैं ऐसे में बोलीवुड की फिल्म 'पठान' जिसका देशभर में विरोध हो रहा है वह अश्लीलता हिंसा और अवास्तविक दृश्य बताकर समाज के प्रत्येक वर्ग की भावनाओं को ठेस पहुंचा रही है। जो समाज के लिए घातक है। सरकार और सामाजिक संस्था की वर्षों की मेहनत पर 'पठान' कुठाराघात है। निम्नस्तर की फिल्म बनाने वाले निर्माता प्रोड्युसर और कलाकारों की फिल्म पर प्रतिबंध लगाकर उन्हें कड़ा संदेश देने का समय आ गया है। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शिक्षक महासंघ संलग्न राष्ट्रीय शिक्षक महासंघ गुजरात राष्ट्रीय संस्कृति और विद्यार्थियों के हित में थियेटर मिनी थियेटर सोशल मीडिया समेत अन्य सभी प्रकार के माध्यमों पर इस फिल्म के अंश दर्शाने पर तुरंत प्रतिबंध लगाने की मांग करता है। साथ ही ऐसी फिल्म बनाने वाले सभी के खिलाफ सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन करने में निष्फलता के लिए उन्हें नोटिस जारी करने और भविष्य में ऐसी हरकत ना करें इसकी गारंटी लेने की भी मांग करता है।

7.79 लाख एमडी ड्रग्स के साथ कच्छ पुलिस ने एक महिला समेत 3 लोगों को किया गिरफ्तार

कच्छ। कच्छ पुलिस ने भुज-मांडवी हाईवे रोड स्थित नीलकंठ महादेव मंदिर के निकट से एक महिला समेत तीन लोगों को एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास से रु. 7.79 लाख से भी अधिक कीमत का एमडी ड्रग्स बरामद कर पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट के तहत आगे की कार्रवाई शुरू की। जानकारी के मुताबिक कच्छ पुलिस को सूचना मिली थी कि भुज-मांडवी रोड पर खत्री तालाब के बगल में स्थित नीलकंठ महादेव मंदिर के गेट के निकट भुरूभा खेतुभा सोढा शेरूभा उर्फ विपुलसिंह विजयसिंह चौहान और लीलावती उर्फ लीलाबा विजय प्रागजी चौहाण के पास एमडी ड्रग्स है। सूचना मिलते ही मानकुवा पुलिस नीलकंठ मंदिर पहुंच गई और महिला समेत तीनों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के पास से पुलिस ने रु. 7.79 से अधिक कीमत का 7.79 ग्राम एमडी ड्रग्स जब्त कर लिया। साथ ही रु. 13 हजार कीमत के 3 मोबाइल रु. 1200 नकद और रु. 60 हजार की दो मोटर साइकिल समेत रु. 853220 का माल-सामान जब्त कर तीनों के खिलाफ एनडीपीएस के तहत कार्यवाही शुरू कर दी।

पैसे लेकर यात्रा नहीं करने वाले सहेराप्रांत को उपभोक्ता अदालत ने थप्पड़ मारा

नवंबर 2019 के महीने में अडाजन सर्किल सहेरा प्रांत यात्रा संघ द्वारा सूरत..उल्लेखित कलकत्ता और गंगा सागर सभी पैसे चुका आदि स्थानों पर भ्रमण दिए लेकिन का आयोजन किया गया जिस तारीख था। जिसमें फरियादी (1) को टूर रवाना भाविन के भावसार, (2) होना था उस दिन धर्मेश मिस्त्री, (3) मोनेस टूर शुरू नहीं पटेल, (4) महेशभाई पटेल हुआ। दो-तीन (5) पंकज भाई पटेल (6) बार तारीखें बदलीं और फिर देवांग भावसार आदि ने दौरा रद्द कर दिया। इसलिए अपने परिवार के साथ इस उन्होंने मुख्य वादी के माध्यम यात्रा को बुक किया और से भुगतान की गई कुल यात्रा की। साहेर प्रांत संघ के राशि वापस करने की मांग ट्रस्टी के रूप में (1) प्रबंधक की। राशि का भुगतान करने रविशंकर चुन्नीलाल पालीवाल में अनिच्छा से, कोई राशि (2) मिन रविशंकर पालीवाल वापस नहीं की गई या यात्रा (3) अरविन्द अमृतलाल नहीं की गई। अत: इन सभी कोठारी, (ट्रस्टी) (4) वादियों ने उपभोक्ता विवाद अशोक सूर्यवंशी। (ट्रस्टी) निवारण आयोग सूरत में वादी के वकील श्रीमती जेनीष भावसार, प्रधान न्यायाधीश श्री आर. 1,92,500/- का भुगतान आवेदन की तिथि से राशि की वसूली होने तक 7ब प्रति वर्ष की दर से ब्याज के साथ। इसके अलावा 5000/- रुपये शारीरिक और मानसिक प्रताड़ना के मुआवजे के रूप में विभिन्न शिकायतकर्ताओं को भुगतान करने का आदेश दिया जाता है।

ब्लॉक के कारण अहमदाबाद से चलने/होकर गुजरने वाली कुछ ट्रेनें प्रभावित रहेंगी

अहमदाबाद । वानगांव एवं दहानू रोड स्टेशनों के बीच ब्रिज संख्या 161 पर स्पैन के स्टील गर्डरों को प्री-कास्ट आरसीसी/पीएससी स्लैब से बदलने के कार्य के संबंध में 18 दिसंबर 2022 को 08.30 बजे से 12.30 बजे तक एवं 22.50 बजे से 19/20 दिसंबर 2022 की मध्यरात्रि को 02.50 बजे तक ब्लॉक लिया जायेगा। पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल से चलने/गुजरने वाली कुछ ट्रेनें प्रभावित होंगी। प्रभावित होने वाली ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है=

18 दिसंबर 2022 को प्रभावित ट्रेनें=

ट्रेनों का रेग्युलेशन =

1. ट्रेन संख्या 19015 दादर-पोरबंदर सौराष्ट्र एक्सप्रेस को 1.10 घंटे रेगुलेट किया जाएगा.

2. ट्रेन संख्या 19578 जामनगर-तिरुनेलवेली एक्सप्रेस को 02.00 घंटे रेगुलेट किया जाएगा।

3. ट्रेन नंबर 22966 भगत की कोठी-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट एक्सप्रेस को 01.50 घंटे रेगुलेट किया जाएगा.

4. ट्रेन संख्या 22956 भुज-बांद्रा टर्मिनस कच्छ एक्सप्रेस को 01.45 घंटे रेगुलेट किया जाएगा।

5. ट्रेन संख्या 12479 जोधपुर-बांद्रा टर्मिनस सूर्यनगरी एक्सप्रेस को 01.30 घंटे रेगुलेट किया जाएगा.

6. ट्रेन संख्या 12489 बीकानेर-दादर एक्सप्रेस को 01.00 घंटे रेगुलेट किया जाएगा.

7. ट्रेन संख्या 19418 अहमदाबाद-बोरीवली एक्सप्रेस को 01.30 घंटे रेगुलेट किया जाएगा.

8. ट्रेन नंबर 82902 अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल तेजस एक्सप्रेस को 30 मिनट रेगुलेट किया जाएगा।

ट्रेनों का आंशिक निरस्तीकरण=

1.ट्रेन नंबर 12934 अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल कर्णावती एक्सप्रेस उधना में शॉर्ट टर्मिनेट होगी और उधना और मुंबई सेंट्रल के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी।

2.ट्रेन संख्या 12933 मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद कर्णावती एक्सप्रेस उधना से चलेगी और मुंबई सेंट्रल और उधना के बीच आंशिक रूप से रद्द रहेगी।

19/20 दिसंबर 2022 की दरम्यानी रात को प्रभावित ट्रेनें=

ट्रेनों का रेगुलेशन=

1. ट्रेन संख्या 22946 ओखा-मुंबई सेंट्रल सौराष्ट्र मेल को 50 मिनट रेगुलेट किया जाएगा।

2. ट्रेन नंबर 19218 वेरावल-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस को 35 मिनट रेगुलेट किया जाएगा।

3. ट्रेन नंबर 22928 अहमदाबाद-बांद्रा टर्मिनस लोकशक्ति एक्सप्रेस को 30 मिनट रेगुलेट किया जाएगा.

4. ट्रेन संख्या 22904 भुज-बांद्रा टर्मिनस सुपरफास्ट एक्सप्रेस को 25 मिनट रेगुलेट किया जाएगा।

तेज रफ्तार बाइक सवार ने पिता-पुत्र को मारी टक्कर दोनों की घटनास्थल पर मौत

जूनागढ़। केशोद-वेरावल रोड पर तेज रफ्तार मोटर साइकिल सवार ने पिता-पुत्र को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक जूनागढ़ जिले में केशोद-वेरावल रोड पर जूथल पाटिया के निकट पिता-पुत्र पैद जा रहे थे। उस वक्त एक तेज रफ्तार मोटर साइकिल ने पिता-पुत्र को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि गंभीर चोट लगने से पिता-पुत्र की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। इस बीच बाइक सवार घटनास्थल से फरार हो गया। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए केशोद के अस्पताल भेज दिया। साथ ही अज्ञात बाइक सवार के खिलाफ केस दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू की।

"श्री श्याम गुणगान" महोत्सव में गूंजे भजन

सूरत भूमि, सूरत। श्री श्याम भक्त मित्र मंडल द्वारा संस्था के 33वें वार्षिक महोत्सव के उपलक्ष में "श्री श्याम गुणगान महोत्सव" का आयोजन रविवार को किया गया । इस अवसर पर बाबा श्याम का भव्य एवं अलौकिक दरबार वीआईपी रोड स्थित श्री श्याम मंदिर, सुरतधाम के लखदातार हॉल में सजाया गया । श्रृंगारित दरबार के समक्ष शाम सवा छ: बजे से अखंड-ज्योत प्रज्वलित की गयी । इसके पश्चात् विशाल भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमे स्थानीय गायक कलाकार के अलावा झरिया (झारखंड) से आमंत्रित गायक कलाकार कृष्णा अग्रवाल द्वारा भजनों एवं धमाल की शानदार प्रस्तुति दी गयी । इस दौरान भक्तों ने नाच-गाकर बाबा को रिझाया । वार्षिक महोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम में आलौकिक श्रृंगार, भव्य दरबार, अखंड-ज्योत, छप्पन भोग, इत्र-फुहार आदि का आयोजन भी किया गया । देर रात तक चले आयोजन का समापन महाआरती के साथ हुआ एवं सभी भक्तों के लिए मंडल द्वारा महाप्रसाद की व्यवस्था की गयी थी । इस अवसर पर मंडल के संरक्षक राजकुमार अग्रवाल (जयबाबा), चंद्रशेखर भगेरिया, अध्यक्ष सुशील अग्रवाल(बोरावड़), सहीत अनेकों सदस्य उपस्थित रहे ।

नवनिर्वाचित विधायकों का शपथ ग्रहण आज कल होगा विधानसभा का एक दिवसीय सत्र

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा चुनाव में प्रचंड जीत के बाद गत सोमवार को मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल समेत सरकार के 16 मंत्रियों ने शपथ ग्रहण किए थे। अब कल यानी 19 दिसंबर को नवनिर्वाचित विधायकों का शपथ ग्रहण होगा और 20 दिसंबर को विधानसभा का एक दिवसीय सत्र होगा। विधानसभा सत्र से पहले भाजपा विधायक दल की बैठक होगी। 19 दिसंबर को सभी विधायकों को गांधीनगर में रहने आदेश दिए जा चुके हैं ताकि सभी विधानसभा सदस्यता की शपथ ले सकें। 19 दिसंबर को सबसे पहले वडोदरा के मांजलपुर से निर्वाचित योगेश पटेल बतौर प्रोटेम स्पीकर शपथ लेंगे। उसके बाद योगेश पटेल निर्वाचित विधायकों को शपथ ग्रहण करवाएंगे। जिसके बाद विधानसभा के स्थायी अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी। 20 दिसंबर को होनेवाले विधानसभा के एक दिवसीय सत्र को राज्यपाल आचार्य देवव्रत संबोधित करेंगे। एक दिवसीय सत्र में विधानसभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की नियुक्त होगी। बता दें कि भाजपा की ओर से विधानसभा के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का नाम तय कर लिया गया है। शंकर चौधरी अध्यक्ष और जेठा भरवाड उपाध्यक्ष होंगे।

एजुवेट समिट 2022 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर शिक्षणविदों ने चर्चा कि

सूरत भूमि, सूरत। भारत के अग्रणी एंड-टू-एंड स्कूल Integrated Curriculum और प्रबंधन समाधान प्रदाताओं में से एक लेट्स एजुवेट, ने सूरत में एजुवेट समिट 2022 का आयोजन किया। इस शिखर सम्मेलन में सूरत के विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों एवं शिक्षणविदों सहित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इस शिखर सम्मेलन में क्यूरिकुलम for 21st Century Learners' विषय पर एक सत्र का आयोजन किया गया। इसमें प्रख्यात शिक्षण शास्त्री उमा ओझा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के दिशा-निर्देशों, देश भर में इसके क्रियान्वयन, स्कूलों को क्या दृष्टिकोण अपनाना चाहिए और वे नई नीति के अनुरूप कैसे रह सकते हैं आदि सहित विभिन्न विषयों पर विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम में विभिन्न गतिविधियों के संपन्न होने के बाद लेट्स एजुवेट के डिप्टी सेल्स हेड अचिन कपूर ने कहा, हम इस समिट का आयोजन स्कूल के प्रिंसिपलों, शिक्षणविदों और क्षेत्र के विशेषज्ञों के बीच संपर्क बनाने के लिए कर रहे हैं. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन के संबंध में उमा ओझा द्वारा प्रस्तुत विचार निश्चित रूप से दर्शकों को लाभान्वित करेंगे। हमें बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है और यह जानकर उत्साहित हैं कि यह सभी के लिए उपयोगी रही है।

इस प्रकार के शिखर सम्मेलन के माध्यम से शिक्षा क्षेत्र के हितधारकों को छात्रों को प्रौद्योगिकी के लाभों का ज्ञान हुआ है। हम देश भर में इस तरह के और शिखर सम्मेलन आयोजित करने के लिए तैयार हैं।

लेट्स एजुवेट ने अपनी सेवाओं के लिए 300 से अधिक स्कूलों के साथ समझौता किया है, जिससे 90,000 से अधिक छात्र लाभान्वित हुए हैं।

रक्तदान शिविर में सर्वाधिक रक्त यूनिट एकत्रित करने वाले प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले एल.पी.सवानी स्कूल की सराहना

सूरत भूमि, सूरत। रक्तदान शिविर में सबसे अधिक संख्या में रक्त एकत्र करने के लिए एलपी सवानी स्कूल का सम्मान करना और भारत के भविष्य वाले छात्रों को सम्मानित करना, एल.पी. सवानी का उद्देश्य छात्रों में सेवा की गुणवत्ता विकसित करना और सभी को अच्छे रक्त के महत्व को समझाना है। रक्तदान करें और समाज की मदद करने के अपने कर्तव्य को पूरा करें स्कूलों के समूह में हर साल एक रक्तदान शिविर आयोजित किया जाता है।

उसके तहत सूरत शहर के रक्तदान केंद्र और अनुसंधान केंद्र की 46 वीं वार्षिक आम बैठक के दौरान सूरत शहर के शैक्षणिक संस्थानों में वर्ष-2021-2022 के रक्तदान शिविर में सबसे अधिक संख्या में रक्त एकत्र करने के लिए रक्तदान शिविर, महापौर द्वारा सूरत सिटी श्रीमती हेमालीबेन बोधावाला, "स्कूल के प्रथम स्थान विजेता के रूप में रोटेटिंग ट्रॉफी" उपाध्यक्ष श्री धर्मेंद्र सवानी को सम्मानित किया गया। विद्यालय के अध्यक्ष श्री मावजीभाई सवानी एवं उपाध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र सवानी ने रक्तदान शिविर में शामिल होने वाले सभी विद्यालय के शिक्षकों, विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं मित्रों का धन्यवाद एवं अभिनंदन किया तथा सामाजिक कार्यों में सहयोग दिया।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-22 142 11, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)